कोटद्वार, शुक्रवार
2 अगस्त 2024
वर्ष: 46
अंक: 99 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

मकान गिरने से गर्भवती महिला की मौत

चमोली : गैरसैंण ब्लॉक के रोहिड़ा ग्राम पंचायत के झोड़ू सिमार तोक में भारी बारिश से बुधवार रात करीब नौ बजे एक मकान ढह गया। जिसकी चपेट में आने से 26 वर्षीय दीपा देवी पत्नी राकेश भारती की मौत हो गई। महिला सात माह की गर्भवती बताई जा रही है। परिजनों का कहना है कि बारिश के कारण मकान के पीछे की दीवार टूटने के बाद मकान का एक हिस्सा गिर गया। हालांकि इस दौरान अन्य परिजनों ने किसी प्रकार भागकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों ने बताया कि महिला सात माह की गर्भवती भी थी। ग्रामीणों ने तुरंत बचाव व राहत कार्य प्रारंभ कर महिला को मलबे से निकाला, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। नायब तहसीलदार महेश आर्य ने बताया कि सूचना पर 10 बजे गैरसैंण से मयफोर्स और जेसीबी के साथ रवाना हुए, लेकिन क्षेत्र में बारिश के बाद आये मलबे तथा गांव सड़क से डेढ़ किमी. पैदल होने के कारण वह करीब तीन बजे रात घटना स्थल पर पहुंच पाये। बताया कि शव को सीएचसी गैरसैंण की मोर्चरी में रखने के बाद गुरुवार को अन्य औपचारिकताएं पूर्ण होने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

गोरखपुर के 60 यात्री ऋषिकेश में रुके

ऋषिकेश। भारी बारिश से यात्रा मार्गों के प्रभावित होने पर ऋषिकेश में भी तीर्थयात्री फंस गए। पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश के चलते चारधाम यात्रा के रजिस्ट्रेशन पर लगी रोक के कारण गुरुवार को गोरखपुर से चारधाम दर्शन के रजिस्ट्रेशन को पहुंचे 60 यात्रियों को रुकना पड़ा। यूपी के गोरखपुर निवासी 60 यात्रियों का जत्था गुरुवार को चारधाम पंजीकरण कार्यालय एवं ट्रांजिट कैंप ऋषिकेश पहुंचा। फिजिकल पंजीकरण केंद्र में पूछताछ के बाद उन्हें यात्रा के स्थगित होना का पता चला, जिससे यात्रियों के चेहरे पर मायूसी दिखी। जत्थे में शामिल यात्री सीमा और अजय ने बताया कि वह चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन को आए थे। केंद्र में पहुंचने के बाद यात्रा पर एक दिन की पाबंदी की जानकारी मिली। सफर करने के दौरान उन्हें इसका पता नही चला। लिहाजा, अब ऋषिकेश में ही रुकना पड़ेगा। अपर आयुक्त नरेंद्र सिंह बिरियाल ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर राज्य सरकार ने यह फैसला लिया गया है। केदारनाथ पैदल मार्ग बारिश से कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त है। देश–दुनिया से पहुंचने वाले यात्रियों को कोई दिक्कत हो, इसके लिए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। बताया कि मानसून शुरू होने के बावूजद औसतन रोजाना 400 यात्री पंजीकरण केंद्र में रजिस्ट्रेशन के लिए आ रहे हैं।

नारसन में युवक को गोली लगने के बाद बॉर्डर पर पुलिस अलर्ट

रुड़की। खेत में चारा लेने गए बूढ़पुर जट के युवक को बीते बुधवार सुबह यूपी की सीमा में गोली मारने की घटना के बाद बॉर्डर पर किसी तरह का तनाव पैदा न हो इसलिए उत्तराखंड पुलिस पूरी तरह से अलर्ट रही। गांव में अभी भी फोर्स तैनात है। गोली से घायल युवक का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले में पुरकाजी पुलिस ने दो नामजद और तीन अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उत्तराखंड बॉर्डर पर पड़ने वाले प्रदेश के आखिरी गांव बूढ़पुर जट के कुछ किसानों की जमीन यूपी के पुरकाजी थाना क्षेत्र के शंकरपुर गांव से लगी हुई है। दैनिक रूप से बुढ़पुर जट के किसानों को अपने कृषि कार्य करने के लिए यूपी के क्षेत्र में जाना पड़ता है। अभी तक दोनों स्थानों के किसानों में भाईचारा कायम था। लेकिन बुधवार को चारा लेने गए युवक पर फायरिंग के बाद ग्रामीण सहमे हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सतर्कता बरतते हुए खेत पर कृषि कार्य करने के लिए समूह बनाकर जाना पड़ा। घटना में घायल युवा प्रशांत राठी का अभी भी मुजफ्फरनगर के एक निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। बताया गया है कि हमलावरों के साथ उलझने पर घायल युवक के पिता उदयवीर सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें इलाज के बाद घर भेज दिया गया। नारसन पुलिस चौकी प्रभारी देवेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि मामला बॉर्डर से जुड़े होने के कारण पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

सेलाकुई में पोल बहे, 15 घंटे बाद बहाल हो पाई विद्युत आपूर्ति

विकासनगर। बुधवार रात हुई तेज बारिश से आसन नदी पूरे उफ़ान पर रही। इससे नदी किनारे लगे पोल भी बह गए। पोल बहने के कारण सेलाकुई के लोग बुधवार रात से गुरुवार दोपहर एक बजे तक बिना बिजली–पानी के रहे। 15 घंटे बाद दोपहर एक बजे के करीब क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बहाल हो पाई। बिजली न होने से सेलाकुई की अधिकांश फैक्ट्रियों में काम भी ठप रहा। बुधवार रात तेज बारिश के कारण उफनाई आसन नदी किनारे पर लगे कई बिजली पोलों को भी बहा ले गई। साथ ही झाझरा से आ रही 33 केवी की लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। इससे सेलाकुई बाजार, हरिपुर, बहादरपुर, बायाखाला, राजावाला, भाऊवाला आदि क्षेत्रों में रात दस बजे बिजली गुल हो गई। बिजली न होने से लोगों के इनवर्टर भी जबाब दे गए। इससे लोगों को रोजमर्रा के कामों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बिजली न होने से जलसंस्थान के ट्यूबवेल, सबमर्सिबल भी ठप हो गए। इससे लोगों को पेयजल किल्लत से भी जूझना पड़ा। दोपहर एक बजे बिजली आपूर्ति सुचारु होने पर लोगों ने राहत की सांस ली। ऊर्जा निगम के जेई नीटू सिंह ने बताया कि सेलाकुई के सब स्टेशन जिसमें सेलाकुई फर्स्ट, सेलाकुई सेकंड, फार्मा सिटी, डब्ल्यूएचओ स्टेशनों पर रात से ही लाइट नही थी। इन्हें ठीक कर दिया गया है। मात्र एक कंपनी में लाइट की आपूर्ति नही हो पाई है। देर रात तक इस कंपनी में भी विद्युत आपूर्ति सुचारु कर दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कोटे के अंदर कोटे को मंजूरी दी

2004 के फैसले को पलटा

नई दिल्ली , सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) आरक्षण को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात जजों की संविधान पीठ ने एससी–एसटी में कोटे के अंदर कोटे को मंजूरी दे दी है। यानी एससी–एसटी कोटे में उप–वर्गीकरण (सब कैटेगरी) किया जा सकता है। सात जजों की संविधान पीठ ने ईवी चिन्नैया के 2004 के फैसले को पलट दिया, जिसमें अनुसूचित जातियों के भीतर कुछ उप–जातियों को विशेष लाभ देने से इनकार किया गया था। साल 2004 में ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले में पांच जजों की संविधान पीठ ने फैसला सुनाया था कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के सदस्य एक समान समूह हैं, जिन्हें आगे किसी उप–समूह या वर्गीकरण में बांटा नहीं जा सकता ईवी चिन्नैया के फैसले में कहा गया था कि संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत जारी राष्ट्रपति अधिसूचना में निर्दिष्ट अनुसूचित जातियों को फिर से वर्गीकृत करना विपरीत भेदभाव के समान होगा और यह संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन होगा। साल 2020 में न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा (अब सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाली 5 न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था कि ईवी चिन्नैया फैसले पर एक बड़ी पीठ द्वारा दोबारा विचार किए जाने की जरूरत है। आरक्षण का लाभ सबसे जरूरतमंद और गरीब लोगों तक नहीं पहुंच रहा है।सुप्रीम कोर्ट, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ पंजाब सरकार की ओर से दायर अपील पर विचार कर रहा था, जिसमें 2006 के पंजाब अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग (सेवाओं में आरक्षण) अधिनियम को रद्द कर दिया गया था, जिसके तहत अनुसूचित जाति कोटे के तहत वाल्मीकि और मजहबी सिख जातियों को प्रथम वरीयता दी गई थी।

गढ़वाल मंडल में 674 पुलिस कर्मचारियों के ट्रांसफर

देहरादून। तबादला सत्र के तहत गढ़वाल रेंज में 674 पुलिस कर्मचारियों के ट्रांसफर किए गए हैं। इनमें 14 इंस्पेक्टर, 100 दरोगा, पांच एएसआई, 329 हेड कांस्टेबल और 226 कांस्टेबल शामिल हैं। पहाड़ और मैदान में तैनाती की अवधि पूरी होने के बाद इन सभी के जिले बदले गए हैं। ट्रांसफर को लेकर बहुत से पुलिसकर्मी अंदरखाने सवाल उठा रहे हैं। माना जा रहा है कि यही अंतिम सूची है। आईजी गढ़वाल रेंज करन सिंह नगन्याल ने तबादला सूची जारी की है। इस सूची में इंस्पेक्टर राकेश गुसाईं को देहरादून से उत्तरकाशी, संजय कुमार को देहरादून से चमोली, कैलाश चंद भट्ट को देहरादून से पौड़ी, प्रदीप राणा को देहरादून से चमोली, ऐश्वर्य पाल को हरिद्वार से चमोली, राजीव रौथाण को हरिद्वार से चमोली, रमेश सिंह को हरिद्वार से चमोली, भावना कैंथोला को हरिद्वार से रुद्रप्रयाग, कुंदन सिंह राणा को हरिद्वार से पौड़ी और हरिद्वार से ही सूर्यभूषण नेगी को पौड़ी भेजा गया है। इसके अलावा तीन इंस्पेक्टर को अनुकंपा के आधार पर भी ट्रांसफर किया गया है। इनमें सदानंद पोखरियाल को रुद्रप्रयाग से टिहरी, जयपाल नेगी को टिहरी से पौड़ी और संतोष सिंह कुंवर को उत्तरकाशी से देहरादून भेजा गया है। इस तबादला सूची के जारी होने के बाद सभी जनपदों में बहुत से थानेदार चौकी इंचार्ज भी शामिल हैं। लिहाजा अब जिला स्तर पर भी ट्रांसफर प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

सहस्त्रधारा में तीन कांवड़िये बहे, दो की मौत, एक को बचाया

देहरादून। सहस्त्रधारा में गुरुवार शाम बड़ा हादसा हुआ। नहाते वक्त दिल्ली के तीन कांवड़िये तेज बहाव में बह गए। इनमें दो की मौत हो गई। एक को जिंदा बचा लिया गया। घायल को उपचार के लिए कोरोनेशन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजपुर थानाध्यक्ष पीडी भट्ट ने बताया कि दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके के निवासी कई कांवड़िये गुरुवार दोपहर सहस्त्रधारा पहुंचे। करीब तीन बजे वह वहां नहा रहे थे। इस दौरान सहस्त्रधारा में बहाव काफी तेज था। नहाते वक्त इनमें एक का पैर फिसला। वह पानी में बहने लगा। दो साथी बचाने को नदी में कूदे। तीनों तेज बहाव में बहने लगे। इनमें एक ने कुछ दूरी पर पत्थर पकड़कर खुद को बचाया। जबकि, दो दूर तक बहते चले गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से पहले पत्थर के सहारे फंसे युवक को निकाला। उसे गंभीर हालत में कोरोनेशन अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद अन्य दो की तलाश की गई। वह सहस्त्रधारा से काफी आगे मिले जहां नदी चौड़ी होने पर बहाव हल्का हो जाता है। वहां से अस्पताल भिजवाया गया तो चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की शिनाख्त इंदरपाल पुत्र रामसुख निवासी ई ब्लॉक, सुलतानपुरी दिल्ली और भूपेंद्र सिंह राणा पुत्र लाल सिंह निवासी अमन विहार, सुलतानपुरी दिल्ली के रूप रूप में हुई। दोनों साथियों की मौत के बाद उनके साथ अन्य कांवड़ियों में शोक की लहर दौड़ गई। घायल की पहचान मनोज निवासी सुलतानपुरी, दिल्ली के रूप में हुई। आईटी पार्क चौकी इंचार्ज शोयब अली ने बताया कि दोनों मृतकों के शव पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए।

नाले में बहने से युवक की मौत

विकासनगर । पछुवादून में बुधवार रात आसमान से आफ़त बरसी। शंकरपुर के बरसाती नाले में बहने से एक युवक की मौत हो गई। चोर खाला के उफ़ान पर आने से एक मकान ध्वस्त हो गया। सड़कों से लेकर लोगों के घरों तक हर जगह पानी भर गया। कही बिजली गुल हो गई और इससे पीने के पानी की आपूर्ति भी ठप रही। बुधवार रात हुई बारिश से गुरुवार को भी जन जीवन अस्त व्यस्त रहा। सहसपुर ब्लॉक के शंकरपुर स्थित आईटीआई में काम करने वाला युवक आशीष कालूड़ा की रामखाला के तेज बहाव में बहने से मौत हो गई। सहसपुर थाने के एसएसआई शिशुपाल राणा ने बताया कि बुधवार रात दस बजे आशीष कालूड़ा निवासी प्रतापनगर टिहरी गढ़वाल अपने दो दोस्तों शगुन पंवार और विपिन के साथ सेलाकुई से अपने कार्यस्थल शंकरपुर जा रहा था। तीनों युवक एक ही मोटर साइकल पर सवार थे, रामखाला के तेज बहाव को पार करते हुए आशीष मोटर साकिल से छिटक कर नाले में गिर गया। नाले के तेज बहाव में पूरी रात युवक का पता नही चल पाया।

हिमाचल में बारिस का कहर, कई लापता, कई की मौत

शिमला , हिमाचल प्रदेश में बारिश ने तबाही मचाई हुई है। आनी के निरमंड में दो जगह, कुल्लू के मलाणा, मंडी जिले के थलटूखोड़ व चंबा जिले में बादल फटे हैं। बादल फटने से कई मकान, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। तीनों जगह पर करीब 50 लोग लापता हो गए हैं। चार शव बरामद हुए हैं। यहां 35 लोग सुरक्षित बचाए गए हैं। बादल फटने की घटना के बाद मंडी के पधर के सभी स्कूल और शिक्षण संस्थान आज बंद कर दिए गए हैं। डीसी ने आदेश जारी किए हैं। मंडी के थलटूखोड़ में आधी रात बादल फटने से तबाही मच गई। यहां मकान ढहने की सूचना है। सडक़ कनेक्टिविटी भी ठप हो गई है। मौके के लिए एसडीआरएफ समेत अन्य टीमें रवाना हो गई हैं। थलटूखोड़ पंचायत प्रधान कली राम ने बताया कि तेरंग और राजबन गांव में बादल फटने की घटना हुई है। घटना में कई लोग लापता है। तीन घर बहने की सूचना है।जानकारी मिली है कि पधर उपमंडल के थलटूखोड़ में बादल फटने की घटना में नौ लोग लापता हैं, एक शव बरामद किया गया है। जबकि 35 सुरक्षित हैं। मंडी जिला प्रशासन ने रेस्क्यू के लिए एयरफोर्स को अलर्ट किया है। मदद की जरूरत होने पर सेवाएं ली जाएंगी। एनडीआरएफ को भी मदद का निवेदन किया गया है। डीसी अपूर्व देवगन और रेस्क्यू टीमें पैदल ही प्रभावित क्षेत्र के लिए जा रही हैं। मौके पर मौजूद स्थानीय प्रशासन राहत कार्यों में जुटे हैं। सडक़ें और रास्ते टूटने के कारण घटनास्थल तक पहुंचने में दिक्कत आ रही है।इसके अलावा, शिमला–कुल्लू सीमा पर बादल फटने से तबाही मची है। कई मकान, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई लोगों के लापता होने की खबर है। राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया है।

बुग्यालों में बटर फेस्टिवल के लिए हाईकोर्ट से अनुमति मांगी

नैनीताल। बटर फेस्टिवल कराने वाली उत्तरकाशी संस्था ने हाईकोर्ट से फेस्टिवल में 200 से अधिक लोगों के जाने की अनुमति मांगी है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रितु बाहरी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ ने बुग्यालों को मानवीय गतिविधियों से बचाने को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई की। कोर्ट ने राज्य सरकार से मामले में अगले मंगलवार तक जवाब मांगा है। प्रदेश के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में फैले सैकड़ों एकड़ मखमली घास के मैदान, जिन्हें क्षेत्रीय भाषा में बुग्याल व अन्य नामों से जाना जाता है। 2018 में कोर्ट ने इन्हें संरक्षित करने के लिए राज्य सरकार को कई निर्देश जारी किए थे। पूर्व में कोर्ट ने बुग्यालों में 200 से अधिक लोगों की आवाजाही और रात्रि में रहने की व्यवस्था पर रोक लगा दी थी। साथ ही यहां बने पक्के निर्माण और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर भी रोक लगा दी थी।

मामले में बटर फेस्टिवल कराने वाली संस्था ने गुरुवार को कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश पर प्रदेश के बुग्यालों में एक समय पर 200 से अधिक लोगों की आवाजाही पर रोक लगी हुई है। भाद्रपक्ष की प्रथम एकादशी को बटर फेस्टिवल होना है।

सरकार प्रभावितों की करेगी हर संभव सहायता : धामी

● सीएम ने जनपद टिहरी के आपदाग्रस्त क्षेत्र जखन्याली का किया स्थलीय निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को जनपद टिहरी के आपदाग्रस्त क्षेत्र जखन्याली का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने आपदा प्रभावित क्षेत्र में मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उनका ढ़ाढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति एवं और शोकाकुल परिवार को धैर्य प्रदान करने की कामना की।

उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में शासन-प्रशासन प्रभावितों के साथ खड़ा है। सरकार द्वारा प्रभावितों को हर संभव सहायता दी जायेगी। उन्होंने कहा कि सभी लोग इस समय एक दूसरे का सहयोगी बनकर कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र में आपदा से जनहानि, पशु हानि एवं अन्य परिसंपत्तियों को काफी नुकसान पहुंचा है। आपदा के समय लोगों की सुरक्षा राज्य सरकार पहली प्राथमिकता है। उन्होंने जिलाधिकारी टिहरी को आपदा प्रभावितों को तत्काल राहत पहुंचाने, राहत कैंपों में सभी आवश्यक व्यवस्था करने, आपदा क्षति का आंकलन कर तत्काल सुरक्षात्मक कार्य करने, आपदा प्रभावित क्षेत्र में जन जीवन सामान्य बनाने के लिए सड़क कनेक्टिविटी, विद्युत और पेयजल की आपूर्ति सुचारू करने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी टिहरी श्रमयूर दीक्षित ने जानकारी दी कि बुधवार देर रात्रि जनपद टिहरी के घनसाली ब्लॉक के जखन्याली के पास बादल फटने से होटल बहने की सूचना प्राप्त हुई। घटना की सूचना प्राप्त होते ही राजस्व टीम, पुलिस, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य, सड़क, विद्युत आदि विभागों की टीम जेसीबी, एंबुलेंस सहित मौके के लिए रवाना हुए। विद्युत विभाग द्वारा तत्काल शट डाउन किया गया। खोज बचाव एवं राहत टीम ने खोज बचाव शुरू किया। इस घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की मृत्यु हुई है। दो लोगों के शव रात्रि में बरामद कर लिये गये थे। एक घायल व्यक्ति ने अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आई आपदा में मुयालगांव में घनसाली-चिरबिटिया मोटरमार्ग को जोड़ने वाली पुलिया बहने, एक घोड़ा बहने की घटना एवं अन्य परिसंपत्तियों को काफी नुकसान हुआ है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, विधायक घनसाली शक्ति लाल शाह, विधायक टिहरी किशोर उपाध्याय, एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर, सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी मौजूद थे।

डांग, स्यूंसाल गांव में बादल फटने से भारी तबाही, किंवाड़ी, जैंती, डडोली गांव में खेत, पुल बहे

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : बीती बुधवार सांय पांच बजे से रात्रि आठ बजे तक अतिवृष्टि से चौथान क्षेत्र में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। चौथान क्षेत्र के डांग, स्यूंसाल गांव में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। किंवाड़ी, जैंती, डडोली गांव में खेत, पुल बह गए है। गनीमत है की अतिवृष्टि से कोई जन हानि नहीं हुई है, परन्तु निजी एवं सार्वजनिक सम्पति को खासा नुकसान हुआ है। क्षेत्र को थैलीसैण-नागचुला से जोड़ने वाली मुख्य सड़क जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित है।

चौथान पट्टी के डांग और स्यूंसाल गांव में दो जगह बादल फटने से बड़े पैमाने पर नुकसान की सूचना है। बीती बुधवार देर शाम सात बजे बादल फटने से डांग गांव के दो गदेरों में उफान आ गया और गांव दोनों तरह से बाढ़ से घिर गया। जिससे आधा दर्जन के करीब घरों में मलबा भर गया। एक घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त है और ग्रामीणों को रात को गांव के स्कूल में शरण लेनी पड़ी। बाढ़ से गांव के कई रास्तों, शौचालयों, गोशालाओं को नुकसान की सूचना हैं। ग्राम प्रधान दामोदर नेगी के अनुसार बादल फटने से आये सैलाब में दस के करीब पैदल पुलिया पूरी तरह से बह गई हैं।

वहीं बड़ी संख्या में डांग और किंवाड़ी गांव के उपजाऊ खेत धान, झंगोरा, कौदा की फसल समेत बाढ़ में बह गए हैं और बड़ी संख्या में खेतों में मलबा भरने से फसल चौपट हो गयी है।

चौथान क्षेत्र में अतिवृष्टि से जनजीवन अस्त व्यस्त

डांग के समीपवर्ती गांव जैंती में भी अतिवृष्टि से घरों, गौशालाओं और खेतों को नुकसान हुआ है। डांग के गदेरों के उफान ने किंवाड़ी गांव होते हुए निचले इलाकों में भारी तबाही मचाई है। किंवाड़ी निवासी रंजीत सिंह की दो भैसों के भी बाढ़ में बहने की सूचना है। इस बाढ़ से क्षेत्र में प्रसिद्ध सांखेश्वर धाम मंदिर के एक हिस्से को नुकसान हुआ है। मंदिर तक जाने वाली पैदल पुलिया भी बाढ़ में बह गयी है।

स्यूंसाल गांव में फिर फटा बादल

वही मूसलाधार बारिश के बीच बुधवार शाम लगभग साढ़े सात बजे स्यूंसालग गांव के मत्या गदेरे में बादल फट गया। जिससे मुतरखाल से लेकर तैल्या शेरा तक सैकड़ों पेड़, खेत फसल समेत बाढ़ में बह गए। अतिवृष्टि से गांव के कई अन्य गेदरों में भीषण उफान से कई जगह भूस्खलन हुआ, जिससे बड़े पैमाने में गांव की जमीन, खेत और फसल कटाव और बहने के चलते तबाह हो गए। गांव के दो बिजली के खम्बे गिर गए हैं, एक पैदल पुलिया भी बाढ़ की चेपट में आने से क्षतिग्रस्त हैं। इसके अलावा गांव में पुश्ते गिरने से तीन घरों पर गिरने का खतरा मंडरा रहा है और एक दर्जन से ज्यादा गौशालाएं अनेक पैदल रास्ते भी आपदा से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

विभागीय लापरवाही की मार झेल रहे स्यूंसाल के ग्रामीण

गौरतलब है कि सितम्बर 2021 में भी स्यूंसाल गांव में बादल फटने से भारी तबाही मची थी। पिछली आपदा में हुए नुकसान के लिए प्रभावित ग्रामीणों को प्रशासन की तरह से कोई खास आर्थिक मदद नही मिली। दूसरी तरफ, तीन साल से अधिक समय होने के बाद भी लोक निर्माण विभाग ने गांव में बनी नई सड़क पर जल निकासी, पुलिया, कल्वर्ट निर्माण नही किया है। नई सड़क बनने के दौरान ठेकेदार ने गांव के गदेरों को मलबे से पूरी तरह पाट दिया था। अब ये मलबा बरसात के दौरान गांव के घरों, खेतों को बार-बार भारी नुकसान पहुंचा रहा है। ग्रामीणों ने कई बार लिखित में इस समस्या के बाबत लोक निर्माण विभाग को अवगत किया है। परन्तु विभाग द्वारा इस दिशा में अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई है। जिससे ग्रामीण स्थानीय प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की उदासीनता पर खासे नाराज हैं।

चौथान के डडोली गांव में भी भारी नुकसान

अतिवृष्टि से चौथान के डडोली गांव में भी खेतों, फसलों, रास्तों को नुकसान की सूचना है। डडोली गांव में एक पुलिया भी नाले में आई बाढ़ से बह गई है। डांग के ग्रामीणों ने गुरूवार सुबह पांच बजे ही थैलीसैंण प्रशासन को आपदा की सूचना दे दी थी। इसके बाद सुबह लगभग दस बजे आपदा विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम किम्वादी होते हुए डांग गांव पहुंची और बादल फटने से हुए नुकसान का आंकलन कर रही है। जैंती दौरे के उपरांत यह टीम स्यूंसाल गांव पहुंचेगी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई राज्य में प्रस्तावित 38वें राष्ट्रीय खेलों से सम्बन्धित एचपीसी की बैठक

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में राज्य में प्रस्तावित 38वें राष्ट्रीय खेलों से सम्बन्धित उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) की बैठक सचिवालय में सम्पन्न हुई। मुख्य सचिव रतूड़ी ने आज की बैठक में उत्तराखण्ड में पहली बार प्रस्तावित 38वें नेशनल गेम्स की तैयारियों के सम्बन्ध में देहरादून, हल्द्वानी, रूद्रपुर, हरिद्वार, टिहरी व पिथौरागढ़ में निर्धारित आयोजन स्थलों, स्टेडियम व खेल परिसरों के आसपास की सड़कों के नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण की तैयारियों तथा इस सम्बन्ध में चीफ इंजीनियर लोक निर्माण विभाग को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के सम्बन्ध में निर्देश दिए। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने नेशनल गेम्स में प्रतिभाग करने जा रहे उत्तराखण्ड के खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन तथा इस सम्बन्ध में गुजरात एव केरल राज्यों के मॉडल का अध्ययन करने, नेशनल गेम्स के आयोजन के दौरान सुरक्षा व कानून व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन, नेशनल गेम्स के सम्बन्ध में प्रचार–प्रसार व जन जागरूकता हेतु नोडल अधिकारी नामित करने पर चर्चा की। मुख्य सचिव ने प्रस्तावित नेशनल गेम्स हेतु आईस रिंक, अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, टेनिस कोर्ट व घुड़सवारी के मैदानों के लिए बुनियादी ढांचे के विकास व रेगोवेशन कार्यों पर भी चर्चा की। बैठक के दौरान 38वें नेशनल गेम्स के सफल आयोजन में खेल विभाग की सहायता के लिए एक स्पोर्टस प्रोजेक्ट मेनेजमेंट यूनिट स्थापित करने तथा गेम्स मेनेजमेंट सिस्टम को संचालित करने के लिए एकीकृत स्पोर्टस पोर्टल व एप्प को डिजाइन व डेवलप करने पर भी चर्चा की गई।

भारतीय सेना ने पुंछ से एक आतंकी को किया गिरफ्तार, विदेशी पिस्तौल बरामद

जम्मू ,जम्मू–कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई जारी है। भारतीय सेना ने पुंछ जिले से हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आतंकी का नाम मोहम्मद खलील है। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राइफल की रेमियो फोर्स ने हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी मोहम्मद खलील को बीते महीने 30 जुलाई को पुंछ से गिरफ्तार किया। उसके पुंछ के मंगनार गांव में छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन चलाकर उसे धर दबोचा। सेना ने आतंकी खलील के पास से एक विदेशी पिस्तौल बरामद की है। रेमियो फोर्स ने एक बयान में बताया कि आतंकी खलील से पुलिस हिरासत में पूछताछ चल रही है। उसके पास से एक एक्टिव पाकिस्तानी व्हाट्सएप नंबर मिला है।

संपादकीय

मोदी की रूस यात्रा अमेरिका निराश

भारत और अमेरिका के संबंध क्या पटरी से उतर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 8–9 जुलाई की रूस यात्रा के संबंध में अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के संदेश और समय ने अमेरिका को भारत की ओर से निराश किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन रूसी राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध अपराधी घोषित कर चुके हैं। जाहिरा तौर पर ऐसे हालात में प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा पर अमेरिका से इसी तरह की प्रतिक्रिया अपेक्षित थी। डोनाल्ड लू से पहले नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था कि अमेरिका और भारत के रिश्ते हाल के वषों में व्यापक बने हैं, लेकिन इनकी बुनियाद ज्यादा पुख्ता नहीं है। उन्होंने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता पर भी सवाल खड़े किए थे। पश्चिमी देशों की मीडिया ने भी मोदी की रूस यात्रा की आलोचना करते हुए यहां तक कह दिया कि भारत पर भरोसा नहीं किया जा सकता। यह इत्तेफाक था कि जिस समय मोदी की रूस यात्रा हुई थी, उसी दौरान वाशिंगटन में सैन्य संगठन नाटो की शिखर वार्ता आयोजित थी जिसमें रूस विरोधी रणनीति का प्रारूप तैयार किया गया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने डोनाल्ड लू की प्रतिक्रिया पर सधी हुई प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि भारत और रूस के संबंधों पर चर्चा करते हुए व्यावहारिक वास्तविकता को ध्यान में रखना चाहिए। दोनों देशों के संबंध आपसी हितों पर आधारित हैं। रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका सहित पश्चिमी देश भारत और विशेषकर मोदी के प्रति बेरुखी का रवैया अपनाने लगे हैं। आगे चलकर यह रुख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष विरोध में बदल सकता है। ऐसे में रूस के साथ संबंधों को और मजबूत बनाया जाना आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी शायद इसी सोच को आगे बढ़ा रहे हैं। लोगों को याद होगा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1970 के दशक में ऐसी ही रणनीति अपनाई थी। भारत ने तत्कालीन सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि की थी जिसके कारण बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय भारत अमेरिका की चुनौती का सामना कर सका। भारत एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। ऐसे में अमेरिका और पश्चिमी देश नई दिल्ली को चाह कर भी अस्थिर नहीं कर सकते। लेकिन भारत को अपनी ओर से सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि भारत और रूस के बीच बढ़ता सैन्य सहयोग अमेरिका की आंखों में किरकिरी पैदा करता रहेगा। अमेरिका का भारत के प्रति क्या रुख रहेगा यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।

फर्जी प्रमाणपत्र दिखाकर मलाई खाने का खेल खूब चल रहा

पूजा खेडकर मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षण ले रही थीं। उन्हें महाराष्ट्र–उनके अपने राज्य कैडर–में जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था। उन्हें एहसास नहीं था कि आईएएस अफसर बनने का मतलब जन सेवा होता है। इसके बजाय, उसने इस पद को हासिल करने के बाद अपनी झूठी शान दिखानी शुरू कर दी। उसने कार, सुसज्जित कार्यालय और कर्मचारियों जैसी कई सुविधाओं की मांग की। चूंकि प्रोबेशनर्स इन लाभ के हकदार नहीं होते हैं, इसलिए उन्हें कोई भी लाभ नहीं दिया गया। इसलिए, उसने अपनी दैनिक जरूरतों के लिए एक लग्जरी कार 'किराए पर' ली। इससे भी बुरा यह है कि उन्होंने कार की छत पर नीली बीकन लाइट भी लगाई। पूजा का चयन दो विशेष श्रेणियों के तहत किया गया था। एक, वह ओबीसी के गैर–क्रीमी वर्ग से संबंधित हैं। यह स्वयं ही संदिग्ध है, यह देखते हुए कि उनके पिता एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी थे। फिर वह गैर–क्रीमी लेयर में कैसे चुनी गई? उनके परिवार के पास पर्याप्त जमीन है जो निश्चित रूप से उन्हें एक अलग आर्थिक श्रेणी में रखेगी। पूजा ने यह भी दावा किया था कि उसकी एक अलग तरह की शारीरिक स्थिति है, जो उसे विकलांग कोटे के तहत आरक्षित सीट के लिए हकदार बनाती है।

डॉ. आर.के. सिन्हा

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने 21 अप्रैल, 1947 को राजधानी के मेटकॉफ हाउस में आजाद होने जा रहे भारत के पहले बैच के आईसीएस जो 1948 से आईपीएस कहलाए; ऐसे सभी अफसरों को संबोधित करते हुए कहा था कि 'उन्हें स्वतंत्र भारत में जनता के सवालों को लेकर गंभीरता और सहानुभूति का भाव रखना होगा।

उन्हें अपने दायित्वों का निर्वाह ईमानदारी से करना होगा।' सरदार पटेल ने उन्हें स्वराज और सुराज का अंतर भी समझाया था। जाहिर है, उनका ईमानदारी से आशय यही रहा होगा कि वे अपने जीवन के हर क्षेत्र में शुचिता और तटस्थता का पालन करेंगे। पर हाल में आईएएस प्रोबेशनर, पूजा खेडकर मामले को गहराई से देखने से समझ आ रहा है कि कुछ शातिर तत्व आईएएस या अन्य सरकारी नौकरियों को पाने के लिए फर्जी प्रमाणपत्र भी सौंपते हैं। उनके लिए ईमानदारी का कोई मतलब नहीं है। उन्हें सरदार पटले की सीख से भी कोई लेना–देना नहीं।

पूजा खेडकर मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षण ले रही थीं। उन्हें महाराष्ट्र–उनके अपने राज्य कैडर–में जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था। उन्हें एहसास नहीं था कि आईएएस अफसर बनने का मतलब जन सेवा होता है। इसके बजाय, उसने इस पद को हासिल करने के बाद अपनी झूठी शान दिखानी शुरू कर दी। उसने कार, सुसज्जित कार्यालय और कर्मचारियों जैसी कई सुविधाओं की मांग की। चूंकि प्रोबेशनर्स इन लाभ के हकदार नहीं होते हैं, इसलिए उन्हें कोई भी लाभ नहीं दिया गया। इसलिए, उसने अपनी दैनिक जरूरतों के लिए एक लग्जरी कार 'किराए पर' ली।इससे भी बुरा यह है कि उन्होंने कार की छत पर नीली बीकन लाइट भी लगाई। पूजा का चयन दो विशेष श्रेणियों के तहत किया गया था। एक, वह ओबीसी के गैर–क्रीमी वर्ग से संबंधित हैं। यह स्वयं ही संदिग्ध है, यह देखते हुए कि उनके पिता एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी थे। फिर वह गैर–क्रीमी लेयर में कैसे चुनी गई? उनके परिवार के पास पर्याप्त जमीन है जो निश्चित रूप से उन्हें एक अलग आर्थिक श्रेणी में रखेगी। पूजा ने यह भी दावा किया था कि उसकी एक अलग तरह की शारीरिक स्थिति है, जो उसे विकलांग कोटे के तहत आरक्षित सीट के लिए हकदार बनाती है। यूपीएससी और कार्मिक विभाग द्वारा विकलांगता के संबंध में कुछ तय दिशा–निर्देशों का पालन करते है।

एक व्यक्ति जिसे एक आंख में दृष्टि नहीं होती है, उसे 'विकलांग' नहीं माना जाता है, यदि दूसरी आंख हर तरह से ठीक है। मैंने इसके बारे में तब जाना जब मेरे एक मित्र के पुत्र ने सिविल सेवा परीक्षा दी।। बचपन में, उसके एक भाई ने उसकी दाहिनी आंख में कंपास (नुकीली चीज) डाल दी थी, जिससे वह आंशिक रूप से अंधा हो गया था। वह विकलांग कोटे के तहत आरक्षण के लिए योग्य नहीं होता, अगर उसकी दूसरी आंख सही होती। उसकी 'सामान्य' आंख में आंशिक अंधापन था। कुल मिलाकर अगर पूजा ने नखरे नहीं दिखाए होते, तो वह सेवा में बनी रहती। इससे कांड के बाद यूपीएससी की कार्यप्रणाली भी अच्छी रोशनी में नहीं दिखता है।

इस बीच, तेलंगाना में एक आईएएस अधिकारी के बारे में भी रिपोर्ट आई हैं, जो कुछ विकलांगताओं के आधार पर सेवा में शामिल हुए। उदाहरण के लिए, उन्हें कथित तौर पर पोलियो का हमला हुआ है, लेकिन घोड़े की सवारी और साइकिल चलाते हुए उनके वीडियो यह तो नहीं बताते कि वे कभी पोलियो के शिकार थे। इससे यह सवाल उठता है कि क्या सिविल सेवाओं में विकलांग श्रेणियों के तहत रिक्तियों को भरने में मानदंडों का सख्ती से पालन किया जाता है। लगता तो यही है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है और पिछले दस–पंद्रह साल में विकलांगता के आधार पर चुने गए ऐसे सभी मामलों को जांच के दायरे में लाने की आवश्यकता है।

आईएएस, जिसे अक्सर 'भारत के इस्पात फ्रेम' के रूप में जाना जाता है, यह उपाधि सरदार वल्लभभाई पटेल, 'भारत के लौह पुरु ष' से प्राप्त करता है। उन्होंने नव स्वतंत्र भारत की एकता और स्थिरता बनाए रखने में सिविल सेवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर जोर देने के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया था। आईएएस राष्ट्र के प्रभावी शासन के लिए आवश्यक, सबसे प्रतिष्ठित सेवाओं में से एक है। यदि देश की जनता के दिल में आईएएस पदाधिकारियों के प्रति स्वाभाविक रूप से सम्मान और आदर का भाव नहीं रह जाएगा, तो कोई भी आईएएस प्रशासन कर ही नहीं पाएगा।

आईएएस अधिकारियों से अपनी भूमिकाओं में निष्पक्षता और अखंडता का प्रदर्शन करने की अपेक्षा की जाती है। उनके फैसले लाखों लोगों के जीवन और देश की समग्र स्थिरता को प्रभावित करते हैं। निष्पक्षता बनाए रखकर और कानून के शासन का पालन करके, आईएएस अधिकारी यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि सरकार की नीतियां और कार्यक्रम निष्पक्ष रूप से और प्रभावी ढंग से लागू किए जा रहे हैं।

भर्ती प्रक्रिया से समझौता पक्षपात ला सकता है और कानून के शासन को कमजोर कर सकता है, जिससे अस्थिरता और जनता का विश्वास कम हो सकता है। पूजा खेडकर का मामला इस बात की गवाही है कि हमारे देश में फर्जी प्रमाणपत्र दिखाकर मलाई खाने का खेल खूब चल रहा है, जिसे बंद किए जाने की आवश्यकता है।

मनु भाकर ने सूखे को खत्म किया

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर पिछले दो ओलंपिक खेलों से निशानेबाजी में चले आ रहे सूखे को खत्म कर दिया है। मनु भाकर ओलंपिक निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। इससे पहले भारत ने निशानेबाजी में चार पदक जीते हैं और यह पदक जीतने वाले सभी चारों निशानेबाज पुरुष हैं। मनु भाकर ने ओलंपिक खेलों की शुरुआत में ही पदक पर निशाना साधकर इन खेलों में भाग ले रहे शूटरों का ही नहीं बल्कि पूरे भारतीय दल की बॉडी लेंग्वेज बदल दी है। इससे अन्य खिलाड़ियों को अपना बेस्ट देने की प्रेरणा मिलेगी, जिससे भारत अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल हो सकता है।

यह मनु की सफलता का ही प्रभाव था कि रमिता झिंदल ने 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में स्थान बनाया। हालांकि वह फाइनल में पहुंचकर भी पदक नहीं पा सकीं और उन्हें सातवें स्थान से ही संतोष करना पड़ा। हम सभी जानते हैं कि भारतीय निशानेबाज यदि तीन चार पदकों पर निशाना साधने में सफल हो जाएं तो भारतीय पदकों की संख्या दो अंकों में पहुंच सकती है। भाकर 2021 में हुए टोक्यो ओलंपिक में पिस्टल खराब हो जाने की वजह से अपना बेस्ट नहीं दे सकीं थीं।

इसके बाद उनके कोच जसपाल राणा से संबंध खत्म हो गए थे, लेकिन जसपाल ने अलग होने के बाद उनके प्रदर्शन में गिरावट आती गई। वह तो खुदा का शुक्र है कि उन्हें सही समय पर जसपाल राणा से फिर से जुड़ने की जरूरत महसूस हुई। मनु ने पदक जीतने के बाद कहा कि एक बार पदक पक्का हो जाने पर खुशी हुई।

पर आगे नहीं बढ़ पाने का अफसोस है। वह कहती हैं कि अगली स्पर्धा में पदक का रंग पीला यानी गोल्ड करने का प्रयास करूंगी। वह अपना ध्यान केंद्रित रखने के लिए गीता का पाठ करती हैं, जिसमें कहा गया है कि खुद के कर्म पर भरोसा रखो। यह बात भारतीय दल के सभी सदस्यों पर लागू होती है।

भारत इस समय निशानेबाजी के अलावा बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी, बॉक्सिंग आदि में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और एथलेटिक्स और कुश्ती शुरू होने पर भारत की पदक संभावनाएं और बढ़ेंगी। बहुत संभव है कि हम इस बार दर्जन भर पदकों तक पहुंच जाएं। पर हमें यहीं संतुष्ट होकर नहीं बैठना चाहिए क्योंकि अभी हम आबादी के हिसाब से विश्व स्तर से काफी पीछे हैं।

विकसित बाजारों को होने वाले निर्यात में भारी वृद्धि

पिछले कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय वस्तुओं की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। निरंतर बढ़ता निर्यात इस बात का ठोस प्रमाण है कि भारत में निर्मित वस्तुओं की गुणवत्ता की विश्वसनीयता वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। चालू वित्त वर्ष 2024–25 की पहली तिमाही (अप्रैल–जून) में विकसित बाजारों को होने वाले निर्यात में भारी वृद्धि दर्ज की गयी है। पश्चिमी देश विकसित अर्थव्यवस्थाएं हैं। वे दुनिया में अन्य जगहों से चीजों का आयात कर सकते हैं। पर अगर उनका भारतीय उत्पादों पर भरोसा बढ़ रहा है, तो इसका स्पष्ट अर्थ यह है कि हमारी अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती जा रही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से जून की अवधि में अमेरिका को होने वाले निर्यात में 10। 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, तो नीदरलैंड और ब्रिटेन को होने वाले निर्यात में क्रमशः 41। 3 और 21। 9 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी हुई है।

सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात के लिए ये आंकड़े क्रमशः 26।55 और 17। 6 प्रतिशत हैं। भारत सबसे अधिक निर्यात अमेरिका को करता है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात और नीदरलैंड का स्थान है। निर्यात में भारी बढ़ोतरी का महत्व इसलिए भी बहुत बढ़ जाता है कि तनावपूर्ण भू–राजनीति और लड़ाइयों से वैश्विक कारोबार और आपूर्ति श्रृंखला पर नकारात्मक असर पड़ा है। लगभग ढाई साल से रूस–यूक्रेन युद्ध चल रहा है, गाजा पर इस्त्राइली हमले बीते साल अक्टूबर से जारी हैं और इस कारण पश्चिम एशिया में बड़े क्षेत्रीय युद्ध की आशंकाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं तथा लाल सागर में दिसंबर से जारी यमन के हूथी लड़ाकों की नाकाबंदी से वह मार्ग बुरी तरह बाधित हुआ है।

आरक्षण को लेकर आंदोलन बेकाबू

पश्चिमी देशों की भारत से अपेक्षा थी कि वह म्यांमार की सैनिक सत्ता के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए। लेकिन भारत ने अपने राजनीतिक हितों के मद्देनजर संतुलित नीति अपनाई। इस क्षेत्र में कुकी लैंड की स्थापना पूर्वोत्तर भारत के लिए भी समस्या का कारण भी बन सकती है। बांग्लादेश में भारत के रणनीतिक हित और भी अधिक प्रबल हैं। विशेषकर ऐसी स्थिति में जब भारत विरोधी बीएनपी और जमायते इस्लामी सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रही हैं।

डॉ. दिलीप चौबे

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर छात्रों का आंदोलन बेकाबू हो गया है। देश में अस्थिरता का संकट मंडरा रहा है। हाल में प्रधानमंत्री शेख हसीना ने फिर से जनादेश हासिल किया लेकिन आम चुनाव में पराजित राजनीतिक तत्वों को बदला लेने का मौका मिल गया।

चुनाव का बहिष्कार करने वाली विरोधी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और कट्टर मुस्लिम संगठन जमायते इस्लामी पर्दे के पीछे असंतोष को हवा दे रहे हैं। इतना ही नहीं कूटनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि बांग्लादेश महाशक्तियों के शक्ति–संघर्ष का अखाड़ा बन गया है।भारत के लिए बांग्लादेश का घटनाक्रम विशेष चिंता का विषय है। पड़ोसी देश म्यांमार में पहले से ही गृह–युद्ध और सैन्य संघर्ष के हालात हैं। अब इसी क्षेत्र में एक अन्य पड़ोसी देश ने भी अस्थिरता का संकट पैदा हो गया है। यह भारत के लिए विदेश नीति ही नहीं बल्कि आंतरिक सुरक्षा की समस्या भी पैदा करता है। पूर्वोत्तर भारत का मणिपुर राज्य काफी समय से अशांति से पीड़ित है। पड़ोस के अन्य राज्यों पर भी इसका असर पड़ रहा है। पूर्वोत्तर भारत में सामान्य स्थिति बनी रहे इसके लिए आवश्यक है कि म्यांमार और बांग्लादेश में भी शांति और स्थिरता कायम हो।

भारत कभी नहीं चाहेगा कि पड़ोसी देश में शेख हसीना की सरकार अस्थिर हो। यह भी संभव है कि जरूरत पडऩे पर भारत की ओर से बांग्लादेश में आवश्यक सहायता मुहैया कराई जाए। पिछले काफी समय से यह चर्चा है कि म्यांमार में अमेरिका और यूरोपीय देश ईसाई बहुल क्षेत्र में एक पृथक देश 'कुकी लैंड' बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। कुकी विद्रोहियों को हथियार और आर्थिक संसाधन मुहैया कराए जा रहे हैं।

पश्चिमी देशों की भारत से अपेक्षा थी कि वह म्यांमार की सैनिक सत्ता के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए। लेकिन भारत ने अपने राजनीतिक हितों के मद्देनजर संतुलित नीति अपनाई। इस क्षेत्र में कुकी लैंड की स्थापना पूर्वोत्तर भारत के लिए भी समस्या का कारण भी बन सकती है। बांग्लादेश में भारत के रणनीतिक हित और भी अधिक प्रबल हैं। विशेषकर ऐसी स्थिति में जब भारत विरोधी बीएनपी और जमायते इस्लामी सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों की भूमिका भी संदिग्ध है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आम चुनाव के समय ही आरोप लगाया था कि अमेरिका और पश्चिमी देश चुनाव में हस्तक्षेप कर रहे हैं। अब उनके आरोपों को और बल मिल गया है। ऊपरी तौर पर छात्रों का आंदोलन कुछ सीमा तक जायज माना जा सकता है। देश में आरक्षण व्यवस्था के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में 56 फीसद सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। सबसे अधिक 30 फीसद सीटें बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष में भाग लेने वाले लोगों के उत्तराधिकारियों के लिए आरक्षित है। इसके अलावा महिलाओं और पिछड़े जिलों के लिए 10–10 फीसद और आदिवासियों के लिए 5 फीसद आरक्षण की व्यवस्था है। विकलांगों के लिए 1 फीसद आरक्षण है। आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ 2018 में भी व्यापक छात्र आंदोलन हुआ था जिसके बाद यह व्यवस्था ठंडे बस्ते में डाल दी गई। पूरा विवाद पिछले महीने दोबारा उभरा जब उच्च न्यायालय ने आरक्षण की व्यवस्था फिर से बहाल कर दी। शेख हसीना ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा था कि मुक्ति संघर्ष के योद्धाओं के उत्तराधिकारियों को आरक्षण दिए जाने में क्या आपत्ति है। उन्होंने विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'क्या पाकिस्तान का साथ देने वाले रजाकारों के उत्तराधिकारियों को आरक्षण मिलना चाहिए।' यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि नई पीढ़ी बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष का अपमान कर रही है। शेख हसीना सरकार के कामकाज की आलोचना की जा सकती है लेकिन मुक्ति संघर्ष को भूलाना और रजाकारों का महिमामंडन कदापि उचित नहीं। इससे यह भी पता चलता है कि बांग्लादेश में इस्लामीकरण का संकट बरकरार है जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। भारत ने वर्ष 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष में निर्णायक भूमिका निभाई थी। आधी सदी बाद मुक्ति संघर्ष की विरासत को बचाने के लिए भारत की ओर सबकी नजर होगी।

करण जौहर की वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर जारी, सस्पेंस और एक्शन का दिखा दम

करण जौहर पिछले कुछ समय से अपनी आगामी वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह को लेकर चर्चा में हैं।करण जानी–मानी निर्माता गुनीत मोंगा के साथ मिलकर यह सीरीज बना रहे हैं।इस सीरीज में राघव जुयाल और धैर्य कारवा मुख्य भूमिका नजर आएंगे। कृतिक कामरा भी इस सीरीज में अहम भूमिका निभा रही हैं।अब ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो सस्पेंस और एक्शन से भरपूर है। इसमें राघव और कृतिका गुत्थी सुलझाते हुए नजर आ रहे हैं।

इस सीरीज का प्रीमियर 9 अगस्त, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होने जा रहा है। जी5 ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर साझा किया है। उन्होंने लिखा, क्या समय की चूक से अनसुलझे अपराधों का खुलासा हो सकता है?राघव इस सीरीज के जरिए दूसरी बार करण के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों हाल ही में रिलीज हुई फिल्म किल के लिए साथ आए थे।

इस सीरीज का निर्देशन उमेश बिष्ट ने किया है। इस सीरीज का प्रीमियर 9 अगस्त, 2024 से जी5 पर होगा। जी5 ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर साझा किया है। उन्होंने लिखा, क्या समय की चूक से अनसुलझे अपराधों का खुलासा हो सकता है? राघव इस सीरीज के जरिए दूसरी बार करण जौहर के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले राघव, करण जौहर की हाल ही में रिलीज हुई किल में भी नजर आए हैं।

ग्यारह ग्यारह दो अलग–अलग युगों के पुलिस अधिकारियों की एक रोचक कहानी है, जो एक रहस्यमय वॉकी–टॉकी से जुड़े हैं और अतीत और वर्तमान पर इसका प्रभाव पड़ता है।

भारत को तीसरा मेडल, शूटिंग में स्वप्निल कुसाले ने जीता ब्रांज

नईदिल्ली, भारत को पेरिस ओलंपिक तीसरा मेडल मील गया है. तीसरा मेडल भी शूटिंग में ही मिला है. स्वप्निल कुसाले ने ब्रांज मेडल जीता है. कुसाले ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशंस इवेंट में ब्रांज जीता है. कुसाले अपने शुरुआती मैच से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और उनसे मेडल की उम्मीद लगाई जा रही थी और उन्होंने देश की उम्मीदों को आखिरकार पूरा कर दिया है. पेरिस ओलंपिक का ये छठा दिन है. अबतक भारत को 3 मेडल मिले हैं और तीनों ही शूटिंग में मिले हैं. इस तरह शूटिंग ओलंपिक में भारत के लिए सबसे लकी इवेंट रहा है. पहले दे मेडल मनु भाकर और सरबजीत सिंह ने जीते थे. मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में व्यक्तिगत स्पर्धा में ब्रांज जीता था जबकि 10 मीटर की मिक्स इवेंट में मनु और सरबजीत ने ब्रांज जीता था. अब स्वप्निल ने इसी इवेंट में ब्रांज जीतकर मेडल की हैट्रिक पूरी कर दी है. स्वप्निल कुसाले एमएस धोनी को अपना आइडल मानते हैं और फाइनल मैच के दौरान उन्होंने भी दबाव में न बिखरने वाली प्रवृति दिखाई.

एक हाथ पॉकेट में दूसरा निशाने पर, 51 साल के यूसुफ डेरिक ने शूटिंग में जीता मेडल

पेरिस, पेरिस ओलंपिक 2024 के छठे दिन 51 साल के एक शूटर ने कमाल कर दिया है. तुर्किए के इस शूटर ने बिना लेंस और अन्य इक्यूपमेंट के 10 मिटर शूटिंग मिक्स इवेंट में सिल्वर मेडल जीत अपने देश का नाम रौशन किया है. ये शूटर हैं यूसुफ डेरिक. उन्होंने अपनी साथी सेवल इलाया तरहान के साथ सिल्वर जीता है.

सोशल मीडिया पर यूसुफ डेरिक की तस्वीर वायरल हो रही है. इस तस्वीर में वे बिना किसी विशेष उपकरण की मदद के निशाना लगाते हुए दिख रहे हैं. बिना किसी विशेष गियर के केवल चश्मा पहने हुए शूटिंग करते उनकी तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. डिकेक ने नियमित प्रिस्क्रिप्शन चश्मा और इयरप्लग पहने थे और फिर भी अधिकांश प्रतियोगियों को हरा दिया. उन्होंने एक हाथ जेब में रखकर लाइन को रोल किया पिस्तौल को सीधा किया और एकदम सटीक निशाना लगाते हुए सिल्वर मेडल जीता. यूसुफ़ डिकेक तुर्किए के 51 वर्षीय निशानेबाज़ हैं.

वे 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में भाग लेते हैं. पेरिस ओलंपिक 2024 में मिश्रित टीम श्रेणी में तुर्की का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. यूसुफ़ डिकेक एक दाएं हाथ के निशानेबाज़ हैं. डिकेक 5 बार शूटिंग में ओलंपिक में तुर्की का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं.

2014 में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल और 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में वे डबल वर्ल्ड चैंपियन रह चुके हैं. तुर्की के इस शूटर ने 2023 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में रजत पदक जीता था. डिकेक सात बार के यूरोपीय चैंपियन रहे हैं.

लाइफ हिल गई सीरीज में आखिर क्या आया कुशा कपिला को पसंद? एक्ट्रेस ने किया खुलासा

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से एक्ट्रेस बनीं कुशा कपिला ने अपनी कड़ी मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में पहचान बनाई है। इन दिनों वह अपनी नई सीरीज लाइफ हिल गई को लेकर चर्चाओं में हैं। उन्हें इस सीरीज में जो पसंद आया, वह यह कि उनके किरदार कल्कि को बेहद आम इंसान की तरह दिखाया गया है।

कुशा ने कहा, मैं 2017 से कंटेंट बना रही हूं और 2019 से मैंने अपना खुद का काम शुरू किया। मैंने साउथ दिल्ली की एक लडक़ी का किरदार निभाया है, जो अमीर है... उसे दूसरों की परवाह नहीं है। इसलिए, जब मुझे इस तरह का किरदार निभाने के लिए चुना गया, तो मुझे यह सही लगा। एक्ट्रेस ने आगे कहा, शो में मुझे जो खास पसंद आया, वह यह है कि मेरे किरदार को बेहद आम इंसान की तरह दिखाया गया है। कुशा ने कहा, जब हम किसी किरदार को छोटे स्केच या रील्स में दिखाते हैं, तो हम उन्हें थोड़ा कार्टून जैसा या मजाकिया बना सकते हैं। लेकिन जब हम उन्हें पर्दे पर दिखाते हैं, तो हमें उन्हें ज्यादा वास्तविक और सही तरीके से दिखाना होता है। उन्होंने कहा, शुरुआती विचार मेरे काम से जुड़ा हो सकता है, लेकिन इमोशनल और कॉमेडी के पीछे डायरेक्टर्स और राइटर्स है, जो सभी किरदारों को खास बनाना चाहते है।

प्रेम मिस्त्री द्वारा निर्देशित और जसमीत सिंह भाटिया द्वारा लिखित इस सीरीज में दिव्येंदु, विनय पाठक, मुक्ति मोहन, कबीर बेदी, भाग्यश्री और अदिति गोवित्रिकर भी हैं।

लाइफ हिल गई 9 अगस्त से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

हाल ही में सीरीज का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसमें कबीर बेदी एक बड़े बिजनेसमैन और होटल गुड मॉर्निंग वुड्स विला के मालिक के रोल में है। वहीं दिव्येंदु और कुशा कपिला उनके पोता–पोती के किरदार में हैं।

अक्षय कुमार की नई फिल्म खेल खेल में का पहला गाना हौली होली रिलीज

सरफिरा की रिलीज के बाद बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार अपनी अगली फिल्म खेल खेल में की तैयारी कर रहे हैं। उनकी फिल्म का लेटेस्ट ट्रेक हौली हौली रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में आपको अक्षय कुमार के साथ वाणी कपूर, एमी विर्क के साथ तापसी पन्नू और आदित्य सील के साथ प्रज्ञा जायसवाल की जोड़ी देखने को मिलेगी।

देखने में ये एक पार्टी सॉन्ग लग रहा है जिसे शायद किसी फंक्शन आदि के समय फिल्माया गया है। इस बीच सभी सेलेब्स एथनिक ड्रेस में नजर आए। इस गाने में अक्षय कुमार का सॉल्ट एंड पेपर लुक साफ साफ देखा जा सकता है।

श्रीलंका को भारत के खिलाफ वनडे से पहले तगड़ा झटका

–पथिराना–मदुशंका चोट की वजह से हुए बाहर

नईदिल्ली, भारत और श्रीलंका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी. इससे ठीक पहले श्रीलंका को तगड़ा झटका लगा है. टीम के दो दिग्गज खिलाड़ी चोट की वजह से टीम से बाहर हो गए हैं. मथीशा पथिराना और दिलशान मदुशंका भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में नहीं खेल पाएंगे. श्रीलंका ने इन दोनों की जगह मोहम्मद शिराज और ईशान मलिंगा को टीम में जगह दी है. इसके साथ–साथ टीम ने तीन और खिलाड़ियों को स्टैंडबाय के तौर पर रखा है.

दरअसल श्रीलंका को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में 3–0 से हार का सामना करना पड़ा था. अब वह वनडे सीरीज के लिए तैयार है. वनडे सीरीज का पहला मैच 2 अगस्त को खेला जाएगा. इससे पहले श्रीलंका को तगड़ा झटका लगा है. टीम को दो दिग्गज खिलाड़ी चोट की वजह से बाहर हुए हैं. मदुशंका और पथिराना भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में नहीं खेल पाएंगे. श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी.राइट आर्म फास्ट बॉलर पथिराना कई मौकों पर टीम के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं. लेकिन वे वनडे सीरीज में नहीं खेल पाएंगे. पथिराना भारत के खिलाफ टी20 मैच में डाइव लगाते हुए चोटिल हो गए थे. उनके कंधे में चोट लगी है. लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर मदुशंका की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है. इस वजह से वे भी बाहर हो गए हैं.श्रीलंका ने मोहम्मद शिराज और ईशान मलिंगा को टीम में जगह दी है. वहीं कुसल जनिथ, प्रमोद मदुशन और जेफ्री वेंडरसे को स्टैंडबाय के तौर पर रखा है.

एक नजर

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बालसौड़ क्षेत्र में एक युवक ने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने युवक के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के बाद परिवार जनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार, बालासौड निवासी नितिन सैनी उम्र 24 वर्ष का शव पंखे के सहारे रस्सी से लटका हुआ कमरे में मिला। घटना की सूचना स्वजनों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा। युवक द्वारा आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

खाई से गिरा कावड़ी, पुलिस ने किया रेस्क्यू

नई टिहरी : ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग पर तीन धारा में पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से बाइक सवार कांवड़िया खाई में जा गिरा। जबकि पीछे बैठी पत्नी सड़क पर गिर गयी। दम्पति केदारनाथ से वापस लौट रहे थे। मौके पर मौजूद पुलिस चौकी बछेलीखाल के सिपाहियों ने रस्सियों के सहारे तत्काल खाई में उतरकर कावड़िये को सकुशल बाहर निकालकर जान बचाई। गुरूवार को देवप्रयाग पुलिस, मेरठ निवासी दम्पति के लिए यहां देवदूत साबित हुई। केदारनाथ से बाइक में लौट रहे दिल्ली चुंगी मेरठ निवासी मनोज शर्मा व उनकी पत्नी अदिति शर्मा तीन धारा में ऊपर से गिरे पत्थर की चपेट में आ गए। इससे बाइक बेकाबू होकर सड़क पर पलट गयी। जिसमें अदिति शर्मा सड़क पर ही गिर गयी। जबकि मनोज शर्मा उछल कर खाई की ओर जा गिरे। पति के खाई में गिरने से अदिति रोने-चिल्लाने लगी। संयोग से गढ़वाल मण्डल आयुक्त की ड्यूटी से लौट रहे बछेली खाल चौकी सिपाही राजेश नयाल व भूपेंद्र के सामने ही यह घटना हुई। बिना देर किये दोनों सिपाही वाहन में मौजूद रस्सी के सहारे खाई में उतर गए और 35 वर्षीय मनोज शर्मा को सकुशल बाहर निकाल लिया। घटना स्थल पर इस बीच कावड़िये की भी भारी भीड़ जुट गयी। कावड़िये को देवप्रयाग पुलिस के सिपाहियों द्वारा सकुशल निकाल लेने पर यहां पर सभी भोले की जय जयकार करने लगे। जबकि पति को सही सलामत पाकर पत्नी अदिति शर्मा ने पुलिस जवानों का आभार जताया। (एजेंसी)

केदारनाथ में संचार तंत्र मजबूत नहीं, यात्रियों को उठानी पड़ रही परेशानी

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ धाम में वर्ष 2013 की आपदा के बाद भले ही सुरक्षा के कई प्रयास हुए हैं और वर्तमान में केदारपुरी को पूरी तरह सुरक्षित बना दिया गया हो किंतु 11 सालों में भी यहां संचार तंत्र को मजबूत नहीं किया गया है। आलम यह है कि विपत्ति के समय यहां सम्पर्क करना हर किसी के लिए मुश्किल हो जाता है। यहां तक कि स्वयं प्रशासन, पुलिस और अन्य एजेंसियों को भी केदारनाथ सम्पर्क करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। गौरीकुंड से केदारनाथ धाम तक 16 किमी. पैदल मार्ग में संचार सेवा हमेशा ही सबके लिए मुसीबत बनी रहती है। भले ही अन्य दिनों यहां बेहतर नेटवर्क रहा हो किंतु जब सम्पर्क की सबसे ज्यादा जरूरत हो तब यहां नेटवर्क की समस्या हर किसी को परेशान करती है। बीती रात आपदा के बाद गौरीकुंड से केदारनाथ तक मोबाइल सम्पर्क नहीं हो सका। जिससे केदारपुरी और पैदल मार्ग की सही जानकारी मिलने में काफी देर हुई। केदारनाथ धाम में लोगों से सम्पर्क नहीं हो सका। जिन लोगों के अपने केदारनाथ में हैं उन्हें भी अपनों की खबर पाने के लिए मुश्किलें उठानी पड़ी। केदारनाथ धाम में बीएसएनएल के अलावा कुछ निजी कम्पनियां मोबाइल सेवा दे रही हैं किंतु सरकार को चाहिए कि केदारनाथ में एक मजबूत संचार तंत्र विकसित किया जाए ताकि मुश्किल क्षण में केदारपुरी से लेकर गौरीकुंड तक आसानी से सम्पर्क हो और पल-पल की जानकारी मिलती रहे। गुरुवार को भी दोपहर तक केदारनाथ धाम में सम्पर्क नहीं हो सका।

अफसर हाई अलर्ट पर रहे : डीएम

नई टिहरी : जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने मौसम विभाग की ओर से जारी चेतावनी के मद्देनजर आपदा प्रबंधन आईआरएस प्रणाली के नामित सभी अधिकारियों और विभागीय नोडल अधिकारियों को हाई अलर्ट में रहने के निर्देश दिए हैं। किसी भी आपदा व दुर्घटना की स्थिति में तुरंत मौके पर कार्यवाही करते हुए सूचना तत्काल देने को कहा। उन्होंने आपदा में फंसे लोगों के लिए खाद्य सामग्री और मेडिकल की व्यवस्था करने, विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए स्कूलों में सावधानी बरतने, बंद सड़कों को शीघ्र खुलवाने, नगर और कस्बों में बंद नालियों को खोलने के निर्देश दिए।

उफान पर बने नदी-नाले, आंखों से उड़ी नींद

बुधवार रात हुई बारिश ने नदी किनारे रहने वाले परिवारों की उड़ाई नींद

जयन्त प्रतिनिधि।

बारिश के दौरान उफान पर बहता पनियाली गदेरा

कोटद्वार : बरसात में नदी नालों के किनारे घर बनाकर रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ने लगी है। रात के समय हो रही बारिश के दौरान उनकी निगाहें नदी-नालों के वेग पर ही टिकी हुई है। बुधवार रात भी क्षेत्र में बारिश के दौरान लोगों की आंखों से नींद उड़ गई थी। नगर निगम व प्रशासन भी परिवारों से सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील कर रहा था। बुधवार, शाम करीब छः बजे कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में तेज बारिश शुरू हो गई थी। बारिश के चंद मिनट बाद ही क्षेत्र के नदी-नाले ऊफान पर आ गए थे। पूरी रात चली बारिश ने सबसे अधिक चिंता उन लोगों की बढ़ा दी थी जो नदी नालों के किनारे घर बनाकर रह रहे हैं। नगर के बीच से गुजरने वाला पनियाली गदेरा सबसे अधिक भयावह स्थिति में बह रहा था। ऐसे में गदेरे के किनारे आमपड़ाव, मानपुर, सिताबपुर, शिवालिक नगर व कौड़िया क्षेत्र के वाशिंदों की आंखों से नींद गायब हो गई थी। पूर्व में गदेरे का दंश झेल चुके कौड़ियावासियों को सबसे अधिक भय बना हुआ था। नगर निगम व प्रशासन की टीम नदी के किनारे रहने वाले परिवारों से भवन खाली करने की अपील करती रही। आमपड़ाव में कई परिवारों ने रात के समय अपने रिश्तेदारों के घरों में शरण ली। वहीं, खोह नदी के वेग से गिवईस्रोत नई बस्ती, गाड़ीघाट, काशीरामपुर तल्ला व कुंभीचौड़ के परिवारों की चिंता बढ़ी हुई थी। हालांकि, बारिश से क्षेत्र में किसी भी प्रकार के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। लेकिन, वर्षाकाल में रात के समय हो रही वर्षा क्षेत्रवासियों की चिंता बढ़ा रही है।

बाघ ने महिला को बनाया निवाला, दो वर्ष पूर्व हुई थी शादी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कालागढ़ क्षेत्र में घर के आंगन में बर्तन साफ कर रही एक महिला को बाघ ने अपना निवाला बना दिया। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। कालागढ़ कस्बे में केंद्रीय कॉलोनी निवासी टीना 20 वर्ष बुधवार रात करीब आठ बजे घर के आंगन में बर्तन धो रही थी। इसी दौरान अचानक बाघ ने उस पर हमला कर दिया। शोर सुनकर घर के अंदर से उसका पति नितिन दौड़कर आया और बाघ पर प्रहार किया। इसके बाद बाघ टीना को छोड़कर जंगल की ओर चला गया। गंभीर घायल टीना को लेकर अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। टीना का विवाह दो साल पहले ही हुआ था। उसकी एक वर्ष की बेटी भी है। टीना की मौत के बाद स्वजनों में कोहराम मचा हुआ है।

छात्रों ने जाने बैंक व पोस्ट ऑफिस के कार्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन के विद्यार्थियों ने शिक्षा सप्ताह के तहत बैंक व पोस्ट ऑफिस के कार्यों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान विद्यार्थियों ने लैंसडौन में ऐतिहासिक स्थलों का भी भ्रमण किया।

प्रधानाचार्य बिजेंद्र दत्त सुंद्रियाल ने बताया कि शिक्षण सप्ताह के तहत प्रत्येक दिन की थीम सीबीएसई की ओर से दी गई थी। जिसमें पहले दिन टीएलएम उत्सव में अध्यापकों और छात्रों ने शिक्षण अधिगम सामग्री तैयार की। साथ ही विज्ञान और गणित विषय से संबंधित पोस्टर तैयार कर उनका प्रदर्शन किया। दूसरे दिन मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता दिवस, तीसरे दिन खेल दिवस समारोह और चौथे दिन सांस्कृतिक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। पांचवें दिन विद्यार्थियों को लैंसडौन के ऐतिहासिक स्थलों की सैर कराई गई।

जबकि छठवें दिन पहला पौधा मां के दिवस पर छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसर में रोपे। शिक्षा सप्ताह के अंतिम दिन सामुदायिक भागीदारी दिवस के मौके पर छात्र-छात्राओं को बैंक एवं पोस्ट ऑफिस की सैर कराई गई। जिसमें संबंधित अधिकारियों ने छात्रों को बैंक और डाकघर में होने वाले कार्यों की जानकारी दी। प्रधानाचार्य ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं और विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समर्थ पोर्टल बंद, प्रवेश के लिए विद्यार्थी परेशान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रदेश सरकार की ओर से छात्रों की सुविधा के लिए बनाया गया समर्थ पोर्टल छात्रों की परेशानी का कारण बना हुआ है। दरअसल, समर्थ पोर्टल पिछले कई दिनों से बंद पड़ा हुआ है। जिस कारण छात्र-छात्राएं विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं। महाविद्यालयों में इन दिनों बारहवीं कक्षा पास कर स्नातक में प्रवेश के लिए छात्र-छात्राएं कंप्यूटर केंद्रों के चक्कर काटने को विवश हैं। दरअसल, उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए सरकार की ओर से बनाया गया समर्थ पोर्टल कार्य नहीं कर रहा। नतीजा, विद्यार्थी नई कक्षा में प्रवेश लेने से वंचित रह जा रहे हैं। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रतिदिन अस्सी से सौ छात्र-छात्राएं प्रवेश के लिए पहुंच रहे हैं। लेकिन, समर्थ पोर्टल बंद होने के कारण उन्हें प्रवेश नहीं मिल पा रहा। हैरानी की बात तो यह है कि छात्र-छात्राओं को यह भी नहीं बताया जा रहा है कि पोर्टल कब तक खुल जाएगा। छात्र-छात्राओं को दाखिले की चिंता सता रही है। इधर, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. डीएस नेगी ने बताया कि पोर्टल न खुलने के कारण महाविद्यालय में नए एडमिशन नहीं हो पा रहे हैं। सिर्फ कोटद्वार ही नहीं, क्षेत्र के तमाम महाविद्यालयों में समर्थ पोर्टल बंद होने के कारण प्रवेश प्रक्रिया थम गई है। निजी शिक्षण संस्थानों में भी इसका असर पड़ रहा है। इंस्टीट्यूट आफ होटल मैनेजमेंट एंड साइंस के निदेशक अजयराज नेगी ने बताया कि समर्थ पोर्टल बंद होने के कारण संस्थान में अस्सी छात्र-छात्राओं का प्रवेश लंबित है। उन्होंने सरकार से छात्र हित में समर्थ पोर्टल को खोलने की मांग की है।

अफसर म्यांमार गये लोगों की जानकारी जुटाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला प्रशासन म्यांमार गये लोगों की जानकारी जुटाएगा। डीएम ने अधिकारियों को रोजगार के लिए म्यांमार गए लोगों की जानकारी देने को कहा है।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि उत्तराखंड राज्य के कई नागरिक जो रोजगार के लिए म्यांमार गये और जहां उन्हें अवैध रूप से निरूद्ध किया गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कहा कि जनपद पौड़ी गढ़वाल के ऐसे नागरिक जो म्यांमार में रोजगार के लिए गये हैं उनका पासपोर्ट नम्बर, मोबाईल नम्बर, म्यांमार में पता व जनपद के अंतर्गत उनके घर का पता प्रस्तुत करें। जिससे उनकी सुरक्षा हेतु गृह मंत्रालय/विदेश मंत्रालय भारत सरकार के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत आम जनमानस को भी इस संबंध में सूचित करें।

मंच ने किया पौधा रोपण, संरक्षण का लिया संकल्प

ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की ओर से चलाया गया अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत झंडीचौड़ क्षेत्र में पौधरोपण करते संस्था के सदस्य

कोटद्वार : पर्यावरण संरक्षण को लेकर ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की ओर से झंडीचौड़ क्षेत्र में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। सदस्यों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया। साथ ही आमजन को भी पौधा रोपण के प्रति जागरूक किया।

सदस्यों ने झंडीचौड़ स्थित प. दीनदयाल नवानी स्मृति वाटिका में पौधरोपण अभियान चलाया गया। पूर्व खंड विकास अधिकारी सत्यप्रकाश भारद्वाज ने आमजन को पौधरोपण के महत्व के बारे में बताया। कहा कि बिना पर्यावरण संरक्षण हम धरती पर जीवन की कल्पना नहीं कर सकते हैं। धरा को हरा-भरा बनाने के लिए हम सभी को अधिक से अधिक पौधा रोपण करना चाहिए। पूर्व वन क्षेत्राधिकारी राजेंद्र प्रसाद पंत व शंकर दत्त जोशी ने लगाए गए पौधों के संरक्षण पर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही उद्देश्य नहीं होना चाहिए। बल्कि उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी हमें ही उठानी होगी। मंच के अध्यक्ष प्रवेश चंद्र नवानी व महासचिव धीरज सिंह बिष्ट ने कहा कि मंच की ओर से प्रति वर्ष पौधा रोपण अभियान चलाया जाता है। इस मौके पर सुनीता देवी, दिनेश कुमार, गोपाल सिंह, विद्या नवानी, धीरज सिंह रावत, गुलाब मेहरा, गोपाल मेहरा, रमेश चंद्र आदि मौजूद रहे।

बिजली के बिलों में एडिशन चार्ज समाप्त करने की मांग

अधिशासी अभियंता को ज्ञापन देते पूर्व सैनिक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने बिजली बिलों में लग रहे एडिशनल चार्ज को समाप्त करने की मांग की है। कहा कि इससे आमजन पर आर्थिक भार बढ़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी गरीब परिवारों को हो रही है। यदि जल्द ही इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो पूर्व सैनिक आम जनता के साथ मिलकर आंदोलन को मजबूर होंगे। गुरुवार को परिषद की ओर से अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड के माध्यम से यूपीसीएल के गढ़वाल जोन के चीफ इंजीनियर को प्रेषित ज्ञापन में कहा गया है कि विभाग की ओर से विद्युत बिलों में लगाए जा रहे एडिशनल चार्ज के कारण उपभोक्ताओं पर आर्थिक भार बढ़ रहा है, वहीं इन चार्जों के कारण बढ़े बिल को जमा करना सभी के बस की बात नहीं है। इसलिए एडिशनल चार्ज को समाप्त किया जाना चाहिए। ज्ञापन प्रेषित करने वालों में परिषद अध्यक्ष जीके बड़थ्वाल, सीपी डोबरियाल, बलवान सिंह, मनोज बलूनी, रामरतन सिंह और देवेंद्र नेगी आदि थे।

बारिश ने नगर निगम के दावों की खोली पोल

श्रीनगर गढ़वाल : एक ही बारिश ने नगर निगम की दावों की पोल खोलकर रख दी है। बुधवार देर शाम हुई बारिश से नगर निगम के कई क्षेत्रों में जल भराव की समस्या देखने को मिली। निगम और एनएच लोनिवि की नालियां जगह-जगह चोक होने से बरसाती पानी सड़कों में बहता रहा। बारिश ने लोगों को जहां गर्मी से निजात दिलाई वहीं शहरवासियों को जलभराव होने से भारी दिक्कतें झेलनी पड़ी। श्रीनगर के गणेश बाजार, तिवाड़ी मोहल्ला, डांग, नेशनल हाईवे पर एनआईटी के समीप बनी नालियों, लोवर भक्तियाना में जलभराव के कारण दुकानों तक पानी आ पहुंचा। वहीं एसएसबी के समीय केंद्रीय विद्यालय बारिश के कारण धवस्त होकर मलाबा नाली व सड़क पर जा गिरा। विद्यालय की प्रधानाचार्य कीर्ति सक्सेना ने बताया कि बुधवार रात को करीब साढ़े नौ बजे के करीब बारिश होने के कारण विद्यालय की दीवार ढह गयी थी।

उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व कर रही रिया खत्री

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उमरावनगर मोटाढांक निवासी रिया खत्री राष्ट्रीय जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व कर रही है। रिया का चयन प्रदेश की जूनियर फुटबाल टीम में हुआ है।

फुटबॉल कोच सुनील रावत के साथ रिया खत्री

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत उमरावनगर निवासी रिया बाल भारती पब्लिक स्कूल में कक्षा नौ की छात्रा है। उनके पिता अर्जुन सिंह खत्री भारतीय सेना में नायब सूबेदार के पद पर तैनात हैं, जबकि माता सुनीता गृहिणी हैं। कार्यालय सचिव ऋतिक नेगी ने बताया कि रिया बीते वर्ष प्रदेश की सब जूनियर अंडर-14 टीम का भी हिस्सा रही है। बताया कि 19 जुलाई को उसने देहरादून में राज्य स्तरीय टीम के चयन में ट्रायल दिया और दो सप्ताह के शिविर के बाद उसका चयन किया गया है। बताया कि उत्तराखंड की टीम लीग मुकाबलों में एक अगस्त को पंजाब, तीन अगस्त को तेलंगाना और पांच अगस्त को असम के साथ खेलेगी। रिया ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के साथ ही कोच श्रृष्टि भंडारी, शारीरिक प्रशिक्षक सतीश मौर्य, अंतरराष्ट्रीय फुटबाल कोच सुनील रावत, खेल संघ संरक्षक धीरेंद्र कंडारी, गिरिराज सिंह रावत, बाक्सिंग में राष्ट्रीय पदक विजेता सौरव नौडियाल ने बधाई दी।

मंडल स्तरीय अधिकारी माह में दो बार जिला स्तरीय अधिकारी के साथ समीक्षा बैठक करें : आयुक्त गढ़वाल

-विकासखंड स्तर कार्यालयों का निरीक्षण व बैठक के लिए मंडलीय अधिकारियों को आवंटित होगें
-अपर आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग व मुख्य पशु चिकित्साधिकारी पौड़ी का किया स्पष्टीकरण तलब

आयुक्त गढ़वाल मण्डल/सचिव मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार विनय शंकर पाण्डेय अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : आयुक्त गढ़वाल मण्डल/सचिव मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार विनय शंकर पाण्डेय ने मंडल मुख्यालय सभागार पौड़ी में विकास कार्यों की समीक्षा को लेकर मंडलीय अधिकारियों की बैठक ली। अपर आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग व मुख्य पशु चिकित्साधिकारी पौड़ी द्वारा बैठक में प्रतिभाग नहीं करने पर आयुक्त गढ़वाल ने संबंधित अधिकारियों का स्पष्टीकरण तलब किया है। कहा कि मंडल स्तरीय अधिकारी शासन स्तर की प्रत्येक बैठक में मंडल मुख्यालय से वीसी से प्रतिभाग करेंगे अन्यथा की स्थिति में संबंधित विभाग के सचिवों को मंडल कार्यालय से अनुमति हेतु पत्राचार करना अनिवार्य होगा।

गुरुवार को मंडल मुख्यालय पौड़ी में आयोजित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में आयुक्त गढ़वाल ने मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि सभी मंडलीय अधिकारी शासन स्तर की प्रत्येक बैठक में पौड़ी में बैठकर वीसी के माध्यम से प्रतिभाग करेंगे। विशेष परिस्थितियों में यदि भौतिक रुप से उपस्थिति अनिवार्य हो तो ऐसी स्थिति में सम्बंधित विभाग के सचिव को कार्यालय आयुक्त गढ़वाल को अनिवार्य रुप से अनुरोध पत्र देना होगा। बैठक में उपस्थित अधिकांश मंडलीय अधिकारियों द्वारा विकास कार्यों की प्रगति को लेकर स्पष्ट आंकडे व जानकारी के अभाव को देखते हुए आयुक्त गढ़वाल ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिये कि आगामी बैठकों में स्पष्ट जानकारी व पूरी तैयारियों के साथ बैठक में प्रतिभाग करें।

आयुक्त गढ़वाल ने विभागवार समीक्षा करते हुए ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि रूद्रप्रयाग में रैतोली में निर्माणाधीन आरसेटी भवन, जिला मुख्यालय पौड़ी में परिवहन कार्यालय के समीप पार्किंग, पौड़ी के थलीसैंण में राजकीय इंटर कॉलेज चौरा का भवन निर्माण, गोपेश्वर नैग्वाड़ कोर्ट का बैंटमिंटन हॉल, चमोली के गोविंदघाट में मल्टी स्टोरी पार्किंग की प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक 15 दिन में उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा सभी मण्डल स्तरीय अधिकारियों को गढ़वाल मंडल के विकासखण्ड आवंटित किये जा रहे है, अधिकारी आवंटित विकासखण्डों में जाकर सभी विभागों के विकास कार्यों व विकासखण्ड स्तरीय कार्यालयों का निरीक्षण आख्या के साथ-साथ मंडल स्तरीय अधिकारी पखवाडेवार विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रगति रिर्पोट प्रस्तुत करेंगे।

बैठक में जिलाधिकारी पौड़ी गढ़वाल डॉ. आशीष चौहान, वन संरक्षक गढ़वाल आकाश कुमार वर्मा, अपर आयुक्त नरेंद्र क्वीरियाल, अपर जिलाधिकारी ईला गिरी, स्वास्थ्य निदेशक गढ़वाल मंडल डॉ. शिखा जनपांगी, संयुक्त निदेशक उद्यान डॉ. रतन कुमार, उप निदेशक मत्स्य प्रमोद कुमार, मुख्य अभियंता पेयजल निगम अनुपम रतन, एसई ग्रामीण निर्माण मनीष मित्तल, अधिक्षण अभियंता जल संस्थान प्रवीण सैनी, अपर जिला सहकारी अधिकारी केशव प्रसाद, आरटीओ द्वारिका प्रसाद सहित अन्य मंडलीय व जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

चुनाव के लिए उपसमिति का गठन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सुखरो देवी मंदिर समिति के चुनाव के लिए उपसमिति का गठन कर लिया गया। उपसमिति के देखरेख में अब सुखरो देवी मंदिर समिति के चुनाव करवाए जाएंगे। गठित उप समिति ने एक सितंबर को मंदिर समिति की साधारण सभा की बैठक बुलाई है। उपसमिति में संरक्षक सदस्य गिरीश चंद्र जखमोला, रवींद्र चौहान, मोहित बलूनी सहित आजीवन सदस्य कालिका प्रसाद नैथानी, विजय ध्यानी व राजाराम अग्रवाल को शामिल किया गया है।

गढ़वाल विवि में व्यापक स्तर पर चल रहा भ्रष्टाचार

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विश्वविद्यालय में आरक्षित सीटों को सामान्य किए जाने, अतिथि शिक्षकों की नियुक्तियों में धांधली किए जाने और विवि प्रशासन से रेस्टर दिखाने की मांग को लेकर एबीवीपी और आर्यन छात्र संगठन का धरना गुरुवार को गढ़वाल विवि के प्रशासनिक भवन में जारी रहा।

एबीवीपी के प्रदेश सह मंत्री अमन पंत ने कहा कि विश्वविद्यालय में नियुक्तियों के नाम पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। बिना रोस्टर के आरक्षित सीटों को सामान्य वर्ग में कर दिया गया, जबकि विवि से इस संबंध में रोस्टर मांगा जा रहा है तो अधिकारी रोस्टर दिखा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि गढ़वाल विवि में अतिथि शिक्षकों की नियुक्तियों में बड़ी धांधली हुई है। साथ ही लाइब्रेरियन, डिप्टी लाइब्रेरियन एवं प्रोग्रामर की आरक्षित सीट को बदलकर भी सामान्य कर दिया गया है। कहा कि गढ़वाल विवि में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार चल रहा है। छात्र नेता आकाश रतूड़ी, दिपांशु मलवाल और रोबिन असवाल ने कहा कि इस तरीके से विवि बंद करवाया जाना विवि प्रशासन के अधिकारियों का छात्रों के प्रति लापरवाह एवं नकारात्मक रवैये को दर्शाता है। विवि द्वारा अपनी गलतियों को छिपाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। विवि शीघ्र खोला नहीं जाता है तो समस्त छात्रों को उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। कहा कि जब तक मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं होती है आंदोलन जारी रहेगा। वहीं मामले को लेकर एबीवीपी ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के राष्ट्रीय अध्यक्ष को ज्ञापन प्रेषित किया है।

मांगे पूरी न होने पर छात्रसंघ करेगा तालाबंदी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गढ़वाल विवि के बीजीआर परिसर में व्यवसायिक विषयों के संचालन करने सहित 6 सूत्रीय मांगे पूरी नहीं होने से आक्रोशित छात्र नेताओं ने परिसर में तालाबंदी की चेतावनी दी है। छात्र नेताओं ने कहा कि इस संबंध में पूर्व में भी कुलपति को अवगत कराया गया था। लेकिन उनकी मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। जिससे छात्रों में रोष व्याप्त है। कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के बाद भी परिसर में व्यवसायिक कोर्स और एमकॉम संचालित नहीं हो रहा। जिससे छात्रों को इन कोर्सों के लिए अन्य जगहों की दौड़ लगानी पड़ रही है।छात्रसंघ के अध्यक्ष ऋत्विक असवाल ने बताया कि केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के बाद भी परिसर में बीबीए, एमबीए, बीएएलएलबी, बीएससी कृषि, बीएससी वानिकी, बीपीएड जैसे व्यवसायिक कोर्सों का संचालन नहीं हो रहा है। इतना ही नहीं परिसर में 2015 से बीकॉम तो है, लेकिन एमकॉम संचालित नहीं हो रहा। जिससे छात्रों को इन कोर्सों के लिए अन्य जगहों की दौड़ लगानी पड़ रही है। उन्होंने पौड़ी परिसर में छात्राओं के लिए बस संचालन शुरू करने, डिप्टी रजिस्ट्रार नियुक्त करने, परिसर में वॉलीबाल व बास्केट बाल कोर्ट निर्माण की मांग उठाई है। चेतावनी दी कि मांगे पूरी नहीं होने पर 5 अगस्त से मुक्त विवि की परीक्षाएं नहीं होने दी जाएंगी। कहा कि बीते 27 जुलाई को परिसर निदेशके माध्यम से कुलपति को ज्ञापन भेजा गया था। बावजूद इसके उनके साथ कोई वार्ता नहीं हुई। वहीं परिसर निदेशक प्रो. यूसी गैरोला ने कहा कि छात्र नेताओं का मांग पत्र कुलपति को भेजा गया है। मांगें पूरी होने में समय लगता है, सभी कार्य समन्वय के साथ सुचारु हों इसके लिए छात्र नेताओं से वार्ता की जाएगी।

रुकम तीसरी बार बनें पीटीए अध्यक्ष

नई टिहरी : स्वतंत्रता सेनानी वचन सिंह बिष्ट राजकीय इंटर कॉलेज हिंडोलाखाल में आयोजित अभिभावक संघ की बैठक में रुकम सिंह बिष्ट तीसरी बार पीटीए अध्यक्ष चुने गए। जबकि गिरीश कुमार मंत्री, नेहा बंगारी कोषाध्यक्ष, शुकदेव कुमार, पुरुषोत्तम रतूड़ी, कुंवर सिंह बागड़ी, राजेंद्र लाल, रजनी देवी, साक्षी देवी, विनीता देवी कार्यकारिणी सदस्य चुने गए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मुझे मेरे नाम बिलाल खान से जाना, पढ़ा, लिखा व समझा जाये।

बिलाल खान पुत्र अजीजू रहमान निवासी 34 गोविन्दनगर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0320/21)

एक नजर

स्तनपान से 20 फीसदी कम हो जाता है नवजात की मौत का खतरा : स्वाति भदौरिया

देहरादून। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की एमडी स्वाति भदौरिया ने कहा कि नवजात के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए मां का दूध बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि मां के दूध का सेवन करने से नवजात शिशुओं के मौत की दर में 20 फीसदी कमी आ जाती है। गुरुवार को स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ करते हुए भदौरिया ने कहा कि मां का दूध शिशु के व्यापक मानसिक विकास के साथ ही शिशु को डायरिया, निमोनिया एवं कुपोषण से बचाने में कारगर होता है। नियमित स्तनपान से नवजात शिशुओं की मृत्यु दर को 20 प्रतिशत तक, डायरिया से होने वाली मृत्युओं को 11 गुना तक कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिशु के जन्म उपरांत पहले घंटे के भीतर स्तनपान कराना आवश्यक है और पहले छः माह तक केवल मां का दूध ही दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मां के दूध से एंटीबॉडी सीधे बच्चे तक पहुंचती है। जो बच्चे की रोग–प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। उन्होंने बताया कि राज्य में एक से सात अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान महिलाओं को जागरुक करने के साथ ही माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया जाएगा।

हैपेटाइटिस की जांच कोरोनेशन से कराने के निर्देश

देहरादून। दून अस्पताल में चल रहे हैपेटाइटिस क्लीनिक में इलाज को आने वाले मरीजों से बाहर से छह हजार तक की जांच निजी लैबों से कराने पर प्रबंधन ने सख्ती अख्तियार की है। उन्होंने सभी डॉक्टरों को निर्देशित किया है कि वह मरीजों को सही तरीके से बताए कि यह जांच अभी उपलब्ध नहीं है और कोरोनेशन में मुफ्त होती है। ताकि मरीज गुमराह न हो और उनके अतिरिक्त पैसे खर्च न हो। कुछ डॉक्टरों पर आरोप लगे हैं कि वह बाहर से महंगी जांच करा रहे हैं। वहीं विभाग एवं क्लीनिक के डॉक्टरों में आपस में समन्वय नहीं है। जिससे मरीजों को नुकसान हो रहा है। एमएस डॉ. अनुराग अग्रवाल की ओर से इस संबंध में डॉक्टरों को दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं।

बच्चों को पढ़ाने वाले युवाओं को बांटे प्रमाण पत्र

देहरादून। आर्यन ग्रुप संस्था ने काठ बांग्ला बस्ती में इंटर्नशिप प्रमाण पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया। पिछले दो महीने से पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी के 12 छात्र छात्राएं आर्यन ग्रुप के पांच सेंटर में इंटर्नशिप कर रहे थे, जिसमें वह संस्था द्वारा चलाई जा रहे निशुल्क बाल विकास केंद्रों में बच्चों को पढ़ाने का कार्य कर रहे थे। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय पार्षद उर्मिला थापा, सामाजिक कार्यकर्ता आशीष गर्ग, अजय गोविंद ने बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। छात्र आकर्षण, शुभीका, नेहा और वैभव ने अपने इंटर्नशिप के दौरान बताए गए अनुभव साझा किये। छोटे बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किया।

विकेश सिंह नेगी को जिलाबदर करने पर अधिवक्ताओं ने उठाए सवाल

देहरादून। अधिवक्ता विकेश सिंह को जिला बदर किए जाने पर अधिवक्ताओं को सवाल उठाए। गुरुवार को कई अधिवक्ताओं ने इसकी नींदा की। वकीलों ने कहा कि वह इसे लेकर कमिश्नर कोर्ट में अपील करेंगे। वहां से राहत नहीं मिली तो हाईकोर्ट जाएंगे। गुरुवार को प्रेस क्लब स्थित सभागार में कई अधिवक्ताओं ने प्रेस वार्ता की। कहा कि आरटीआई के जरिए कई सूचनाएं मांगकर विकेश नेगी ने कई नेताओं और अफसरों को घेरा था। वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र सिंह सुंदरियाल ने कहा कि विकेश को जिला बदर करने में काननू का सही तरीके से पालन नहीं किया गया है। पुलिस की बनाई रिपोर्ट और डीएम का आदेश पूरी तरह एक तरफा रहा।

उन्होंने चिन्ता जताई कि इस तरह की कार्रवाई आमजनता के लिए भी खतरा हो सकती है। उन्होंने कहा कि गुंडा एक्ट उस पर लगाई जाती जिससे राह चलते लोगों में भय हो या मारे जाने का शक हो। उन्होंने कहा कि गुंडा एक्ट लगाने को पुलिस की तरफ से डीएम को भेजी गई रिपोर्ट ऐसा कोई जिक्र नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस खुद अपनी उस जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करे, जिसके आधार पर जिला बदर करने की कार्रवाई की गई। उन्होंने इस मामले में जांच करने वाली पुलिस और डीएम की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की। इस दौरान अधिवक्ता साक्षी खन्ना, अशोक अग्रवाल, केके बहुखंडी, प्रमिला रावत, जीसी शर्मा, आरएस नेगी, सुरेंद्र कुमार, विनीत सिंह, अनु पंत, श्याम वर्मा, गौरव बिष्ट शामिल रहे।

बालगंगा एवं बूढ़ाकेदार क्षेत्र के प्रभावित गांवों के विस्थापन की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करें : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को आईटी पार्क स्थित राज्य आपदा परिचालन केन्द्र से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही अतिवृष्टि की जानकारी ली। सचिव आपदा प्रबंधन को उन्होंने निर्देश दिये कि जिलाधिकारियों से निरंतर समन्वय बनाये रखें। अतिवृष्टि के कारण राहत एवं बचाव कार्यों के लिए जिलाधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार की सहायता मांगे जाने पर यथाशीघ्र उपलब्ध कराया जाय। उन्होंने बालगंगा एवं बूढ़ाकेदार क्षेत्र के प्रभावित गांवों के विस्थापन की प्रक्रिया को भी शीघ्र से शीघ्र शुरू किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा से राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सभी जनपदों को इस वित्तीय वर्ष में अभी तक कुल 315 करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। आवश्यकता पड़ने पर जनपदों को

और भी धनराशि उपलब्ध कराई जायेगी।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी हरिद्वार, टिहरी, देहरादून, चमोली, नैनीताल, अल्मोड़ा और उत्तरकाशी से बारिश की स्थिति, जानमाल के नुकसान, जल भराव की स्थिति, सड़कों, पुलों, पेयजल और विद्युत की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि अगले 24 घण्टे सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड में रखें। आपदा की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर लाया जाए और उनके रहने खाने की पर्याप्त व्यवस्थाएं रखी जाए।

सुरक्षित स्थानों पर लाये जा रहे बुजुर्गों, बच्चों और गर्भवती माताओं को रहने के साथ दवाइयों एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की समुचित व्यवस्था रखी जाए। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को अतिवृष्टि के कारण सड़के बाधित होने की स्थिति में उनको सुचारूकरने में कम से कम समय में खोलने, पुल टूटने पर बैली ब्रिज बनाकर जल्द से जल्द आवागमन को सुचारू किए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि लोगों को पेयजल और विद्युत की सूचारू आपूर्ति हो। चारधाम यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं रखी जाए। यात्रा मार्ग में अतिवृष्टि के कारण यदि कहीं पर मार्ग बाधित होते हैं या आगे कोई खतरा प्रतीत होता है तो यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ही रोक लिया जाए। अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों को अनुमन्य सहायता राशि शीघ्र उपलब्ध कराये जाने के साथ ही फसलों और मवेशियों को हुए नुकसान का आंकलन करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को दिए हैं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष राज्य सलाहकार समिति आपदा प्रबंधन विनय कुमार रखेला, सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन राजकुमार एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एग्री स्टैक प्रोजेक्ट को राज्य में व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए शासन–प्रशासन की तैयारियां शुरू

देहरादून। उत्तराखण्ड में किसानों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ पहुंचाने की दिशा में सीएस राधा रतूड़ी ने राजस्व एवं कृषि विभाग को भारत सरकार के एग्री स्टैक प्रोजेक्ट "एग्री स्टैक और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना" को राज्य में व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए सभी तैयारियां जल्द से जल्द पूरा करने की डेडलाइन दी है। उन्होंने एग्री स्टैक प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए गाइडलाइन्स बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड में सभी किसानों की कृषक रजिस्ट्री को डिजिटल रूप से सत्यापित करने तथा राज्य के प्रत्येक किसान को एक यूनिक किसान आईडी प्रदान करने वाले महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट एग्री स्टैक को लागू करने के लिए अभियान चलाकर डिजिटल सर्वे ई–पड़ताल का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। राज्य में एग्री स्टैक प्रोजेक्ट का शत प्रतिशत कवरेज जल्द से जल्द पूरा करने के दृष्टिगत मुख्य सचिव ने एग्री स्टैक को लागू करने में स्थानीय समुदायों व किसानों को प्रशिक्षित करके उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस सम्बन्ध में कृषि विभाग, राजस्व विभाग तथा राजस्व बोर्ड को अपनी तैयारियां तत्परता से पूरी करने तथा कार्मिकों की कमी की दशा में अन्य विभागों के कार्मिकों की सहायता लेने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि एग्री स्टैक में किसान की पहचान (आधार), भूमि रिकॉर्ड, कवरेज, आय, बीमा, ऋण, फसलों का विवरण तथा राजस्व रिकॉर्ड जैसी सभी सूचनाओं का स्टोरेज होगा। इस सम्बन्ध में सेटेलाइट डाटा, रियल टाइम क्रॉप इन्फोर्मेशन, मशीन लर्निंग, जीपीएस, एआई व विजुअल एनालिटिक्स की मदद से डाटा एकत्रित किया जाएगा।

एनएसयूआई का पुलिस व सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

देहरादून। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने गुरुवार को एस्लेहाल चौक प भाजपा सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने बागेश्वर में संगठन के कार्यकर्ताओं पर सरकार के दबाव में एकतरफा कार्रवाई का आरोप पुलिस पर लगाया। एनएसयूआई कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी के नेतृत्व में कांग्रेस भवन में एकत्र हुए। वहां से पुलिस प्रशासन व सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वे एस्लेहाल चौक पहुंचे। जहां प्रदर्शन किया विकास नेगी ने आरोप लगाया कि 29 जुलाई को राजकीय महाविद्यालय बागेश्वर में एबीवीवीपी छात्र संगठन ने बिना महाविद्यालय प्रशासन की अनुमति के महाविद्यालय में आरएसएस का कार्यक्रम आयोजित कराया। राजकीय महाविद्यालय बागेश्वर के छात्र संघ अध्यक्ष राहुल कुमार और एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष कमलेश गडिया ने महाविद्यालय में बिना अनुमति के कराये जा रहे इस कार्यक्रम का विरोध किया। आरोप है कि इस पर कुछ छात्रों ने उनसे मारपीट की। लेकिन आरोपियों पर कार्रवाई के बजाए पुलिस ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए। उन्होंने मांग की कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की जाए। साथ ही संबंधित थानाध्यक्ष को भी हटाया जाए। प्रदर्शन में प्रदेश उपाध्यक्ष अभय कैतूरा, सुधांशु अग्रवाल, सागर सेमवाल, मुकेश बसेरा, प्रांचाल नौनी,हरजोत सिंह, पुनीत राज और अभिनव सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आंधी-तूफान से गांवों में रातभर गुल रही बिजली

चमोली : बुधवार देर शाम को बारिश और आंधी के कारण कर्णप्रयाग, सिमली, लंगासू, आदिबदरी, गौचर, कालेश्वर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लोग परेशान रहे। गैरोली, सिमली, चमोला, सेनू, बसक्वाली में तार टूटने से रातभर बिजली गुल रही और गुरुवार शाम को बिजली की आपूर्ति बहाल हो पाई। उत्तरों की क्षेत्र पंचायत सदस्य अंजना देवी ने बताया कि धारडुंगी मोटर मार्ग पर ग्राम पंचायत स्वंका के कांचुला में हर्षवर्धन डिमरी के सवारी वाहन पर तीन पेड़ गिर गए, जिससे उनका वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन देकर आर्थिक सहायता देने की मांग की। कर्णप्रयाग के आईटीआई दारी में आंधी और अतिवृष्टि से राजेश कुमार की गोशाला क्षतिग्रस्त हो गई है। आंधी तूफान से कर्णप्रयाग में भी देर रात तक बिजली गुल रही। आदिबदरी, क्षेत्र के नौना पंया गावों में भी आंधी तूफान से लोग परेशान रहे।

पार्किंग निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने बृहस्पतिवार को ग्रामीण निर्माण विभाग के माध्यम से संचालित विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वन भूमि हस्तांतरण के लंबित प्रस्तावों का प्राथमिकता पर निस्तारण करते हुए निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिले में पार्किंग निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए। गोपेश्वर में लीसा बैंड के निकट पार्किंग निर्माण हेतु सर्वे करते हुए शीघ्र प्रस्ताव तैयार करें। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के निर्माण हेतु जहां पर भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां पर संबंधित एसडीएम से समन्वय करते हुए भूमि चिन्हित करें। आपदा मद से प्रस्तावित कार्यों को प्राथमिकता रखें। जो कार्य पूर्ण

हो चुके है, उनको संबंधित विभागों को हस्तांतरित किया जाए। विभागीय अधिकारी कार्यदायी संस्था के माध्यम से संचालित निर्माण कार्यों की स्वयं मॉनिटरिंग करें। निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा जाए। ताकि आम जनता को योजनाओं का लाभ मिल सके। ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अला दिया ने बताया कि जिला योजना, राज्य सेक्टर तथा केन्द्र पोषित योजनाओं के अन्तर्गत शिक्षा विभाग के 178, स्वास्थ्य विभाग के 45, राजस्व विभाग के 11, समाज कल्याण, जिला विकास प्राधिकरण के 11, वन विभाग के 06, समाज कल्याण के 03, क्रीडा विभाग के 03, उच्च शिक्षा, पर्यटन व यूकाडा के 1-1 कार्य सहित कुल 260 निर्माण कार्य थे। जिनमें से 180 कार्य पूर्ण हो चुके है और अवशेष कार्यों में 90 प्रतिशत तक कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, अधिशासी अभियंता अला दिया, सहायक अभियंता एलपी भट्ट, जिला शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह, एसीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता, क्रीडा अधिकारी गिरीश कुमार, समाज कल्याण अधिकारी धनंजय लिंगवाल सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी से कर रहा रेक्स्यू

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : केदारघाटी में अत्यधिक बारिश के बाद जिला प्रशासन द्वारा पूरी मुस्तैदी से रेस्क्यू कर यात्रियों को लगातार सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। अब तक 375 यात्रियों का हैली के माध्यम से तथा 1460 यात्रियों का सफल मैनुअल रेस्क्यू किया जा चुका है। इनमें 40 महिलाएं तथा 25 बच्चे भी शामिल हैं। मौके पर उप जिलाधिकारी ऊखीमठ सहित एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीमें मौजूद हैं। जिनके द्वारा लगातार रेस्क्यू किया जा रहा है।

वहीं अतिवृष्टि के बाद तीर्थ यात्रियों ने सरकार व जिला प्रशासन के द्वारा उपलब्ध कराई मदद की सराहना की है। दिल्ली के दिलशाद गार्डन शहर से श्री केदारनाथ धाम की यात्रा पर आए ललित ने बताया कि वो दर्शन के बाद लौट रहे थे। बताया कि गौरीकुंड पहुंचने के बाद रात्रि को हुई अत्यधिक बारिश व

अतिवृष्टि के बाद उन्हें 2013 का आपदा जैसा मंजर याद आ गया, लेकिन अतिवृष्टि के बाद जिला प्रशासन द्वारा काफी सक्रियता दिखाते हुए मदद की गई। बताया कि लगभग 3 किमी. तक प्रशासन की टीमों द्वारा सफल रेस्क्यू किया गया जो अत्यंत सराहनीय है। नेपाल से श्री केदारनाथ धाम के दर्शन को पहुंचे तारकेश्वर सिंह ने बताया कि वह बीती श्यायं को गौरीकुंड से केदारनाथ के लिए निकले थे तथा कुछ ही दूरी पर जाने के बाद पहले हल्की तथा फिर भारी बारिश होने से वह वहीं पर रुक गए। इसके बाद भीषण बाढ़ आने से वह रात भर वहीं रूक गए। उन्होंने बताया कि गुरूवार सुबह एनडीआरएफ की टीम के पहुंचते ही रेस्क्यू किया गया। जिला प्रशासन एवं रेस्क्यू टीमों की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन व रेस्क्यू की टीमें पूरी तत्परता से राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

घंटाघर पर बाइक सवारों ने लूटा मोबाइल

देहरादून। बाइक सवार बदमाश घंटाघर पर खड़े युवक का सेरेाह मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। घंटाघर दिन दहाड़े हुई वारदात में बदमाशों के हौसले जाहिर हो रहे हैं। घटना को लेकर नितिन कुमार निवासी भगवानपुर जिला रुड़की ने शहर कोतवाली में तहरीर दी। कहा कि वह बुधवार सुबह करीब दस बजे घंटाघर के पास सड़क किनारे खड़ा था। हाथ में अपना मोबाइल फोन पकड़ा हुआ था। आरोप है कि तभी बाइक सवार दो युवकों में पीछे बैठे युवक ने झपाटा मारा और उसका मोबाइल फोन लूट लिया। जब तक नितिन कुछ समझ पाता आरोपी फरार हो गए थे। इंस्पेक्टर कोतवाली चंद्रभान सिंह अधिकारी ने बताया कि नितिन की अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर बदमाशों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

अतिथि शिक्षकों को मण्डल परिवर्तन का मिलेगा मौका: डॉ. धन सिंह रावत

देहरादून। विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत विभिन्न राजकीय विद्यालयों में प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापक एलटी के पदों पर तैनात अतिथि शिक्षकों को मण्डल परिवर्तन का मौका दिया जायेगा। इसके साथ ही अपर हिमालयी क्षेत्र के विभिन्न ब्लॉकों के दूरस्थ विद्यालयों में रिक्त पदों के सापेक्ष अतिथि शिक्षकों को कम से कम तीन वर्ष के लिये तैनात किया जायेगा साथ ही अतिथि शिक्षकों को मातृत्व अवकाश दिये जाने का भी निर्णय लिया गया है। इसके अलावा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विद्यालयों में शिक्षण कार्य करने वाले अतिथि शिक्षकों को अनुमन्य वेतनमान भी दिया जायेगा। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिये गये हैं। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज अपने शासकीय आवास पर विद्यालयी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने प्रदेश के विभिन्न राजकीय विद्यालयों में तैनात अतिथि शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। समीक्षा बैठक में डॉ. रावत ने कहा कि गढ़वाल और कुमाऊंमण्डल में तैनात अतिथि शिक्षकों को मण्डल परिवर्तन का मौका दिया जायेगा, ताकि अतिथि शिक्षक इच्छित मंडल में शैक्षणिक गतिविधियों के निर्वहन में मन लगाकर कार्य कर सकें। विभगाय मंत्री ने कहा कि अतिथि शिक्षक बार–बार प्रभावित न हो इसके लिये उन्हें उच्च हिमालयी क्षेत्र के विभिन्न ब्लॉकों के दूरस्थ विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों के सापेक्ष न्यूनतम तीन वर्ष के लिये तैनाती दी जायेगी।

अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे राज्य आंदोलनकारी

देहरादून। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी विभिन्न मांगों पर गुरुवार से शहीद स्मारक देहरादून में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। राज्य आंदोलनकारी सयुंक्त मंच के तत्वावधान में आंदोलनकारियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि देकर धरना शुरू किया। इस दौरान वरिष्ठ आंदोलनकारी उर्मिला शर्मा, ओमी उनियाल ने कहा कि प्रदेश सरकार आंदोलनकारियों को सरकारी सेवाओं में 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण देने का राजनीतिक लाभ ले रही है, लेकिन उसे लागू नहीं किया जा रहा। देवेश्वरी रावत, यूकेडी की प्रमिला रावत ने कहा कि वो 2021 में चिह्नितकरण के फॉर्म जिलाधिकारी कार्यालय में जमा करवा चुके हैं, लेकिन तीन साल बाद भी कार्यवाही नहीं हो पाई है। सरकार आंदोलकारियों के फार्म दबाकर बैठी है। उन्होंने कहा कि पूर्व में आंदोलनकारी मुख्यमंत्री से भी मिले थे, जिन्होंने मांगों पर जल्द कार्यवाही का आश्वासन दिया था। लेकिन आश्वासन से आगे बात नहीं बढ़ पाई। आंदोलनकारियों ने कहा कि यदि जल्द मांगे पूरी नहीं की गई, तो उग्र आंदोलन होगा। मौके पर दिनेश भारद्वाज, अंबुल शर्मा, राम किशन, ,जबर सिंह पावेल, जगदीश चौहान, पुष्पराज बहुगुणा, क्रांति कुकरेती, गीता बिष्ट, सत्या डोगरा, सूर्या बमराड़ा, विजेंद्र रावत, दीपक गैरोला आदि मौजूद थे।

घंटाघर जीपीओ में अब 24 घंटे बुक होंगी डाक

देहरादून। घंटाघर स्थित जीपीओ में अब लोग 24 घंटे रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट और पार्सल बुक कर सकते हैं। इसके लिए डाक विभाग ने जीपीओ परिसर में सेटअप तैयार कर सेल्फ बुकिंग कियोस्क स्थापित कर दी है। इस मशीन से लोग खुद डाक बुक कर सकते हैं। यह सुविधा 24 घंटे रहेगी। गुरुवार को चीफ पोस्ट मास्टर जनरल शशि शालिनी कुजूर ने कियोस्क का विधिवत शुभारंभ किया। चीप पोस्ट मास्टर जनरल शशि शालिनी कुजूर ने कहा कि इस मशीन की स्थापना से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उनको रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट और पार्सल बुक करवाने के लिए लाइन पर नहीं लगना पड़ेगा। बीस किलोग्राम तक के पार्सल इस मशीन से बुक किए जा सकते हैं।

मेहलचौरी में पीएचसी में घुसा मलबा और पानी, दवाइयां, फर्नीचर, उपकरण खराब

चमोली : गैरसैंण के मेहलचौरी में बुधवार रात हुई भारी बारिश से काफी नुकसान हुआ है। बारिश के कारण रामगंगा एवं सहायक नदी उफान पर आ गई। इस कारण यहां नदी का पानी सिंचाई विभाग द्वारा बनाऐ गये सुरक्षा दीवार का करीब 40 मीटर भाग तोड़कर विद्यामंदिर हाई स्कूल से होता हुआ खेल के मैदान और सीएचसी के भवन में घुस गया। इससे सीएचसी में रखी दवाइयों, फर्नीचर एवं उपकरण भी खराब हो गए हैं। बीती रात अचानक नदियों के उफान पर आने से मेहलचौरी मैदान के निकट रह रहे लोगों में अफरातफरी मच गयी। सबने एक दूसरे को फोन पर इसकी सूचना दी। कुछ लोग तो घर को छोड़कर निकट के सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हो गये। नदी के पानी

से मेहलचौरी के खेल मैदान को काफी नुकसान पहुंचा है। सीएचसी गैरसैंण के चिकित्साधीक्षक डॉ. एएस रावत ने बताया कि सूचना मिलते ही गुरुवार को कर्मचारियों की सहायता से कमरों में जमी मिट्टी एवं गाद को साफ कर लिया है। बताया कि मातृ शिशु कल्याण केंद्र लाटूगैर के भवन में भी नदी का पानी चला गया था। प्रधान मेहलचौरी बलवीर मेहरा ने शासन प्रशासन से मेहलचौरी में हुए नुकसान का जायजा लेते हुये तुरंत सुरक्षा उपाय करने की मांग की है। (एजेंसी)

यहां भी हुआ है नुकसान

नदी के किनारे पर लाटूगैर का फील्ड क्षतिग्रस्त हो गया है। मूसों गांव में कई आवासीय भवनों के पुश्ते गिर गए हैं। जबकि कई मकानों में दरार भी आई है। मेगड़ नदी पर घटगांड़ में बना आरसीसी पुलिया बह गई है। बंजाड़ गधेरे में मैखोली स्कूल को जाने वाली पुलिया क्षतिग्रस्त हुई है। धुनारघाट-बाटाधार-नागचुला लिंक मोटर मार्ग कई स्थानों पर मलबा आने से अवरुद्ध हो गया है।

मुख्यमंत्री ने किया केदारघाटी में प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

क्षतिग्रस्त सड़कों और पैदल मार्गों के सुधारीकरण का कार्य तेजी से करें

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारघाटी में बुधवार रात्रि को हुई अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग को निर्देश दिये कि क्षतिग्रस्त सड़कों और पैदल मार्गों के सुधारीकरण का कार्य तेजी से किया जाय। संवेदनशील स्थानों से लोगों को जल्द सुरक्षित स्थानों पर लाया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग को यात्रा मार्ग में फंसे श्रद्धालुओं को यथाशीघ्र सुरक्षित स्थानों में लाये जाने के साथ ही

भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने, प्रभावित क्षेत्र में अतिवृष्टि से हुए नुकसान का पूरा आंकलन करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रभावितों को अनुमन्य सहायता राशि तत्काल उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावित क्षेत्र में जन जीवन सामान्य बनाने के लिए सड़क कनेक्टिविटी, विद्युत और पेयजल की आपूर्ति सुचारू करने के निर्देश दिये हैं। जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग डॉ. सौरभ गहरवार ने जानकारी दी कि केदारनाथ यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं के फंसे होने की सूचना मिलते ही उन्हें सुरक्षित स्थानों पर लाया जा रहा है, साथ ही उनके लिए भोजन और चिकित्सा सुविधा की व्यवस्थाएं की गई है। गुरूवार दोपहर एक बजे तक लगभग 300 यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों से लोगों को सुरक्षित स्थानों में ले जाया जा रहा है। अतिवृष्टि से बहे पुल व क्षतिग्रस्त मार्गों को बनाने की कार्यवाही भी गतिमान है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती अमरदेई शाह, विधायक रुद्रप्रयाग भरत चौधरी, पुलिस अधीक्षक सुश्री विशाखा अशोक, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

चेक पर कमीशन के खुलासे के बाद भी नहीं थम रही रार

रुद्रपुर। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के पांच हजार के चेक के बदले तीन हजार रुपये कमीशन मांगने के मामले में पुलिस के खुलासे के बाद भी इस मामले को लेकर राजनीतिक रार थमने का नाम नहीं ले रही है।

बीते दिवस विधायक शिव अरोड़ा और पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के बीच इस मामले को लेकर जमकर जुबानी जंग हुई। दोनों तरफ से आरोप–प्रत्यारोप लगाए गए। वहीं गुरुवार को भाजपाइयों ने फिर से इस मामले को लेकर मोर्चा खोल दिया। भाजपाइयों ने इस पूरे प्रकरण को सरकार और सरकार की जनकल्याणकारी योजना को बदनाम करने की साजिश बताया और एसएसपी से मुलाकात कर इस पूरे मामले की विस्तृत जांच की मांग की। गुरुवार को भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी मंजूनाथ टीसी से की मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। भाजपाइयों का कहना था कि ऐसा नहीं लगता है कि इस मामले में सिर्फ दो लोग ही आरोपी हों। उनका कहना था कि इस मामले में गिरफ्तार सुरजीत शर्मा और ज़ावेद एक मोहरा हैं। आरोप लगाया कि इसके पीछे एक बहुत बड़ी साजिश है। साजिश की विस्तृत जांच हो तो कई बड़े नेता के नाम सामने आ सकते हैं। आरोप लगाया कि सुरजीत के पीछे बड़े नेता का हाथ है, जिसने सुरजीत शर्मा को आगे कर राज्य सरकार और मुख्यमंत्री को बदनाम करने की साजिश की है। इस मामले का मुख्य सूत्रधार सुरजीत शर्मा एक बड़े नेता का राइट हैंड है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com